दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 04
अंकः-71
मुरादाबाद
01 July 2024
(Monday)
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

Mann Ki Baat: '2024 इलेक्शन, दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव', मोदी 3.0 के पहले 'मन की बात' कार्यक्रम में पेरिस ओलंपिक से लेकर योग दिवस तक

प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यक्रम के 111वें संस्करण में कहा कि मैं आज देशवासियों को धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने हमारे संविधान और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं पर अपना अटूट विश्वास दोहराया है। 24 का चुनाव, दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव था। दुनिया के किसी भी देश में इतना बड़ा चुनाव कभी नहीं हुआ, जिसमें, 65 करोड़ लोगों ने वोट डाले हैं। मैं चुनाव आयोग और मतदान की प्रक्रिया से जुड़े हर व्यक्ति को इसके लिए बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया के किसी भी देश में इतना बड़ा चुनाव कभी नहीं हुआ, जिसमें 65 करोड़ लोगों ने वोट डाला। मैं चुनाव आयोग और मतदान की प्रकिया से जुड़े हर व्यक्ति को इसके लिए बधाई देता हूं। अपने तीसरे कार्यकाल की पहले मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विभिन्न मुद्दों पर बात की। इस दौरान उन्होंने संविधान में अपने अटूट विश्वास को दोहराया तो आम चुनाव, आदिवासी कल्याण, पर्यावरण आदि पर बात की। यह कार्यक्रम हर महीने के आखिरी रविवार को प्रसारित किया जाता है। इससे पहले मन की बात आखिरी बार 25 फरवरी को प्रसारित किया गया था, जिसके बाद लोकसभा चुनावों की वजह से इसे रोकना पड़ा था।प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में कहा कि मैं आज देशवासियों को धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने हमारे संविधान और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं पर अपना अटूट विश्वास दोहराया है। 2024 का चुनाव, दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव था। दुनिया के किसी भी देश में इतना बड़ा चुनाव कभी नहीं हुआ, जिसमें 65 करोड़ लोगों ने वोट डाला। मैं चुनाव आयोग और मतदान की प्रकिया से जुड़े हर व्यक्ति को इसके लिए बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री ने मन की बात कार्यक्रम में आदिवासी भाई-बहनों को हूल दिवस की शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह दिन वीरों सिद्धो-कान्हू के अदम्य साहस को याद करने का दिन है, जिन्होंने विदेशी शासकों के अत्याचार का विरोध किया। झारखंड के संथाल परगना में हजारों संथाली साथियों को इकट्ठा करके सिद्धो कान्हू ने अंग्रेजों का मुकाबला किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि 1857 के पहले स्वतंत्रता संग्राम से दो साल पहले यानी कि 1855 में ही सिद्धो कान्हू ने क्रांति का बिगुल फूंक दिया था। एक पेड़ मां के नाम- प्रधानमंत्री ने कहा हम सबके जीवन में मां का दर्जा सबसे ऊंचा होता है। मां हर दुख सहकर भी अपने बच्चे का पालन-पोषण करती है। जन्मदात्री मां का ये प्यार हम सब पर एक कर्ज की तरह होता है जिसे कोई चुका नहीं सकता।

हम माँ को कुछ दे तो सकते नहीं, लेकिन और कुछ कर सकते हैं क्या ? इसी सोच में से इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस पर एक विशेष अभियान शुरू किया गया है, इस अभियान का नाम है- एक पेड़ माँ के नाम। मैंने भी एक पेड़ अपनी माँ के नाम लगाया है। कुवैत रेडियो पर हिंदी में कार्यक्रम- पीएम मोदी ने कहा कि कुवैत सरकार ने अपने नेशनल रेडियो पर एक विशेष कार्यक्रम हिंदी में शुरू किया है। कुवैत रेडियो पर हर रविवार को इसका प्रसारण आधे घंटे के लिए किया जाता है। इसमें भारतीय संस्कृति के अलग-अलग रंग शामिल होते हैं। साथ ही पीएम मोदी ने तुर्कमेनिस्तान में गुरुदेव रवींद्रनाथ की प्रतिमा के अनावरण और जून के महीने में सूरीनाम, सेंट विंसेंट ने भारतीय विरासत के जश्न का भी उल्लेख किया। भारतीय उत्पादों की बढ़ रही मांग- पीएम मोदी ने दुनियाभर में भारतीय उत्पादों की बढ़ रही मांग पर भी खुशी जताई और कहा कि जब भारत के स्थानीय उत्पाद वैश्विक स्तर पर पहचान बनाते हैं तो उससे गर्व होता है।

पीएम मोदी ने आंध्र प्रदेश की अराकु कॉफी का जिक्र किया, जो अपने फ्लेवर और खुशबू के लिए जानी जाती है। पीएम मोदी ने बताया कि जम्मू कश्मीर के स्नो पीस की पहली खेप लंदन भेजी गई। साथ ही पीएम मोदी योग दिवस को भी याद किया और कहा कि पूरी दुनिया में 10वां योग दिवस पूरे उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। कश्मीर में बहनों-बेटियों ने भी बढ़ -चढ़कर हिस्सा लिया। संस्कृत बुलेटिन के 50 साल- प्रधानमंत्री ने बताया कि आकाशवाणी का संस्कृत बुलेटिन 30 जून को 50 साल पूरे कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस बुलेटिन ने कितने ही लोगों को आज भी संस्कृत से जोड़े रखा है। पीएम मोदी ने बंगलूरू के कब्बन पार्क का भी जिक्र किया, जहां हर रविवार को लोग सिर्फ संस्कृत में बात करते हैं और संस्कृत में ही वाद-विवाद प्रतियोगिता भी होती है। इस कब्बन पार्क की शुरुआत करने के लिए पीएम मोदी ने समष्टि गुब्बी को बधाई दी और उनकी तारीफ की।पेरिस ओलंपिक पर भी बात की-पीएम मोदी ने कहा कि अगले महीने इस समय तक पेरिस ओलंपिक शुरू हो चुके होंगे

मुझे विश्वास है कि आप सब भी ओलंपिक खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने का इंतजार कर रहे होंगे 7 मैं भारतीय दल को ओलंपिक खेलों की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं 7 हम सबके मन में टोक्यो ओलंपिक की यादें अब भी ताजा हैं 7 उन्होंने कहा कि टोक्यो में हमारे खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने हर भारतीय का दिल जीत लिया था।उसके बाद से ही हमारे एथलीट पेरिस ओलंपिक की तैयारियों में जी-जान से जुटे हुए थे। सभी खिलाड़ियों को मिला दें, तो इन सबने करीब 900 अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया है। पेरिस ओलंपिक में आपको कुछ चीजें पहली बार देखने को मिलेंगी। शूटिंग में हमारे खिलाड़ियों की प्रतिभा निखरकर सामने आ रही है। टेबल टेनिस में पुरुषऔर महिला दोनों टीमें क्वालिफाई कर चुकी हैं। भारतीय शॉटगन टीम में हमारी शूटर बेटियां भी शामिल हैं। इस बार कुश्ती और घुड़सवारी में हमारे दल के खिलाड़ी उन श्रेणी में भी भाग लेंगे, जिनमें पहले वे कभी शामिल नहीं रहे।पीएम मोदी ने कहा कि कुवैत सरकार ने अपने राष्ट्रीय रेडियो पर एक विशेष कार्यक्रम शुरू किया है और वो भी हिंदी में। कुवैत रेडियो पर हर रविवार को इसका प्रसारण आधे घंटे के लिए किया जाता है। इसमें भारतीय संस्कृति के अलग-अलग रंग शामिल होते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी फिल्में और कला जगत से जुड़ी चर्चाएं वहां भारतीय समुदाय के बीच बहुत लोकप्रिय हैं। मुझे तो यहां तक बताया गया है कि कुवैत के स्थानीय लोग भी इसमें खूब दिलचस्पी ले रहे हैं। मैं कुवैत की सरकार और वहां के लोगों का हृदय से धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने ये शानदार पहल की है।

संक्षिप्त समाचार

विश्व विजेता बनने पर जापान के राजदूत ने टीम इंडिया को दी बधाई, कहा- 17 साल का इंतजार आखिरकार खत्म हुआ

भारत में जापान के राजदूत ने भारतीय टीम को टी20 विश्वकप जीतने पर बधाई दी है। भारत में जापान के राजदूत हिरोशी सुजुकी ने भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी-20 विश्वकप जीतने की बधाई दी। उन्होंने कहा कि 17 साल का इंतजार खत्म हुआ, टीम इंडिया की जीत पर खुश हूं।शनिवार को हुए टी-20 विश्वकप में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। जिसमें भारत ने पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया। लेकिन रोहित शर्मा, ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ियों का विकेट गिरने के बाद से मैच धीमा पड़ गया, लेकिन विराट कोहली, अक्षर पटेल ने जबरदस्त पारी खेली। विराट कोहली ने जहां 76 रन बटोरे वहीं अक्षर पटेल ने 31 गेंदों पर एक चौका और चार छक्के समेत 47 रन बनाए। दोनों की साझेदारी में भारत ने 72 रन बनाए। वहीं शिवम दुबे ने 16 गेंदों पर तीन चौके और एक छक्के समेत 27 रन बनाए। भारतीय टीम ने 20 ओवर में 176 रन का लक्ष्य दक्षिण अफ्रीका के सामने खड़ा कर दिया था।वहीं लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम के शुरूआती ओवर में ही दो विकेट चटकाकर भारतीय टीम ने उन पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। हालांकि क्विंटन डि कॉक और ट्रिस्टन स्टब्स की 58 रनों की साझेदारी ने उन्हें फिर मुकाबले में ला दिया था। वहीं हेनरिक क्लासेन के 27 गेंदों पर 52 रनों ने भारतीय खिलाड़ियों को थोड़ा परेशान किया। विकेट चटकाकर 169 रनों पर ही रोक दिया।

कांग्रेस, उद्धव की शिवसेना और NCPSP मिलकर लड़ेंगे महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव, शरद पवार का दावा

शरद पवार ने कहा कि राज्य विधानसभा चुनावों में छोटे सहयोगियों के हितों की रक्षा करना महाराष्ट्र में प्रमुख विपक्षी दलों की नैतिक जिम्मेदारी है, जो 2024 के लोकसभा चुनावों में गठबंधन का हिस्सा थे।शरद चंद्र पवार वाली राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी (एनसीपीएसपी) के प्रमुख ने साफ कर दिया है कि उनकी पार्टी कांग्रेस और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ मिलकर महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लड़ेगी। बता दें, चुनाव इस साल अक्तूबर में होने वाले हैं। शरद पवार ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि राज्य विधानसभा चुनावों में छोटे सहयोगियों के हितों की रक्षा करना महाराष्ट्र में प्रमुख विपक्षी दलों की नैतिक जिम्मेदारी है, जो 2024 के लोकसभा चुनावों में गठबंधन का हिस्सा थे।महा विकास अघाड़ी का हिस्सा ये दल- कांग्रेस, शरद चंद्र पवार वाली एनसीपी और शिवसेना (यूबीटी) विपक्षी महा विकास अघाड़ी का हिस्सा हैं। ठाकरे के नेतृत्व वाली सरकार के गिरने से पहले नवंबर 2019 से जून 2022 तक महा विकास अघाड़ी राज्य में सत्ता में था। पवार ने कहा कि महाराष्ट्र के लोगों के सामने विपक्ष एकजुट होकर रहेगा। उन्होंने आगे कहा कि राज्य में बदलाव की जरूरत है और इसका निर्वहन करना विपक्षी गठबंधन की नैतिक जिम्मेदारी है। शरद पवार ने महाभारत का किया जिक्र- उन्होंने कहा कि जैसे महाभारत में अर्जुन का निशाना मछली की आंख थी, हमारी नजरें महाराष्ट्र चुनाव पर टिकी हैं। कांग्रेस, एनसीपी (एसपी) और शिवसेना (यूबीटी) मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ेंगी। पूर्व सीएम ने कहा कि राज्य में सीट बंटवारे को लेकर फिलहाल कोई बात शुरू नहीं हुई है। हालांकि, जल्द ही इस पर चर्चा होगी। दलों के हितों की रक्षा करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी- उन्होंने कहा कि लोगों ने 2024 के लोकसभा चुनाव में एनसीपी (एसपी), शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस पर विश्वास दिखाया है। शरद पवार ने आगे कहा, %लेकिन इन तीन पार्टियों की तरह वाम पार्टियां, पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी (पीडब्ल्यूपी) भी गठबंधन का हिस्सा थीं, लेकिन हम उन्हें लोकसभा में सीट नहीं दे सके। इन दलों के हितों की रक्षा करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। इसलिए उनके साथ (राज्य विधानसभा चुनाव में) आगे बढ़ने का प्रयास किया जाएगा।%राज्य के बजट पर कही ये बात- एकनाथ शिंदे सरकार द्वारा शुक्रवार को पेश किए गए राज्य के बजट के बारे में पूछे जाने पर एनसीपी (एसपी) प्रमुख ने कहा, %अगर आप बाजार में खाली जेब लेकर जाते हैं तो क्या होगा? कुछ दिनों की बात है, वास्तविकता जल्द ही देखने को मिलेगी।% महाराष्ट्र सरकार द्वारा राज्य विधानसभा चुनाव से चार महीने पहले शुक्रवार को पेश किए गए बजट में 21 से 60 आयु वर्ग की महिलाओं को 1,500 रुपये का मासिक भत्ता, परिवारों के लिए साल में तीन मुफ्त एलपीजी सिलेंडर, किसान हितैषी कदम और कौशल प्रशिक्षण के लिए युवाओं को प्रति माह 10,000 रुपये का भत्ता दिया गया।

सीएम का जनता दर्शन: जमीन पर कब्जे की शिकायत सुन बिफरे योगी, बोले- यह बर्दाश्त नहीं, डीएम को दिए निर्देश

सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को जनता दर्शन कार्यक्रम आयोजित किया। जमीन कब्जे पर आने वाली शिकायतों पर सीएम ने सख्त नाराजगी जताई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अपने सरकारी आवास पर %जनता दर्शन% किया। इस दौरान आए सैकड़ों फरियादियों ने अपनी पीड़ा रखी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सभी फरियादियों के पास स्वयं पहुंचे और समस्याएं सुनीं। रविवार को सर्वाधिक शिकायत शाहजहांपुर से पहुंची। इसमें से अधिकांश शिकायतें जमीन कब्जे व पैमाइश में हीलाहवाली से जुड़ी थीं। जिस पर सीएम काफी नाराज हुए। सीएम ने जल्द से जल्द कार्रवाई के दिए निर्देश - मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को जनता दर्शन में हर पीड़ित के पास पहुंचकर उनकी समस्याओं को सुना। यहां शाहजहांपुर जनपद से कई फरियादी आए थे। जिले से जमीन कब्जे और जमीन पैमाइश की काफी शिकायतें थीं। फरियादियों ने लेखपाल-कानूनगो की लापरवाही की शिकायत भी सीएम से की। जिस पर मुख्यमंत्री ने तत्काल जिलाधिकारी को तीन दिन के भीतर कार्रवाई कर अवगत कराने का निर्देश दिया। ऐसे ही मामले आगरा-कानपुर से भी आए। सीएम ने सभी फरियादियों को आश्वस्त किया कि उन्हें कतई परेशान होने की जरूरत नहीं है।

जल्द से जल्द कार्रवाई की जाएगी। धन के अभाव में नहीं रुकेगा किसी का इलाज - वहीं धनाभाव के कारण इलाज में आ रही समस्या को लेकर भी एक महिला पहुंची थीं। उन्होंने बताया कि आयुष्मान कार्ड है, लेकिन इलाज में इससे अधिक पैसे की आवश्यकता है, जिस पर सीएम ने उन्हें आश्वस्त किया कि धन के अभाव में इलाज कतई नहीं रुकेगा। तत्काल ही सीएम आवास से केजीएमयू वीसी और सीएमएस को इस संदर्भ में सूचित कर उचित कार्रवाई का निर्देश दिया गया। वहीं उन्नाव में तैनात सहायक अध्यापिका भी पहुंची, जिन्होंने बताया कि बच्चा काफी अस्वस्थ है और उसका इलाज लखनऊ में चल रहा है। पति भी बाहर रहते हैं। वे लखनऊ स्थानांतरण चाहती हैं। इस पर सीएम ने उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। कानून से खिलवाड़ कतई बर्दाश्त नहीं- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिया कि फरियादियों की शिकायत जनपद स्तर पर हर हाल में सुनी जाए। किसी भी सूरत में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। जमीन कब्जे से जुड़े मामलों में सीएम ने कहा कि पीड़ितों की सुनवाई सुनिश्चित हो। कानून से खिलवाड़ करने वालों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

संपादकीय Editorial

Condemnation on the day of courtesy

Today was a day of mutual respect and courtesy. Many beautiful pictures were seen inside the Lok Sabha. Prime Minister Modi and Leader of Opposition Rahul Gandhi were walking together in the same frame. Both shook hands and smiled warmly. Earlier, the Prime Minister called the Leader of Opposition forward with a gesture so that he could congratulate the elected Speaker of the 18th Lok Sabha. Both the Prime Minister and the Leader of Opposition took the Speaker to his seat. They shook hands and greeted him. Speaker Om Birla sat on the seat and then bowed to the House. This may be an established tradition within the Parliament. If traditions are remembered, then why was the Speaker not elected unanimously? Om Birla was elected Speaker by voice vote, but there were no less voices saying 'no'. Of course, the majority was in favor of the government. This is also a parliamentary rule. Bills and amendments are also passed by voice vote. In history, the Speaker has been elected by division of votes as well as by consensus. Actually, the Speaker is of the House. He is also the protector and guardian of the House. He has been given the status of a judge. He does not belong to any party or side, even if he has won the election on the symbol of any party and has come to Parliament. Neutrality, justice, impartiality have been expected from the Speaker, so most of the MPs congratulated and wished the new Speaker, but also hoped that the voice of the opposition will not be suppressed. The voice of the opposition is also the voice of the country and the people, so cruel decisions like suspension or expulsion should not be repeated. This was also the sentiment of the first speech of the Leader of Opposition Rahul Gandhi. However, the surprise came when Speaker Om Birla moved a censure motion on the Emergency of 1975 and observed two minutes of silence in memory of those who died then. The opposition did not observe silence and neither was the censure motion duly passed. The Speaker condemned the then decision and called it a blow to the Constitution. The decisions during the Emergency were oppressive and dictatorial. Those details were also given, which have often been given. We had analyzed the Emergency in yesterday's editorial. However, the day and the atmosphere which seemed to be one of respect and courtesy, suddenly got drowned in the opposition slogans. The speaker was reading his speech on the emergency and a section of the opposition was raising slogans – stop the attack on democracy, stop dictatorship, give justice to Manipur. The modern leaders of the parties that suffered during the emergency were sitting quietly during this time, although they are strong components of the opposition alliance 'India'. We believe that the speaker should not have given a statement on one aspect of a 'dark chapter' like the emergency. With this topic, 'politicization of the speaker' happened. This issue could have been raised by Prime Minister Modi or any of his supporting ministers or BJP MPs. The Prime Minister has been condemning the emergency in his speeches. The BJP has been holding aggressive demonstrations across the country every year against this 'dark, barbaric day'. Why was the speaker asked to give this statement? This is clearly the political, ideological agenda of the BJP, but the speaker is above and different from any political ideology. This House can also be considered historic because Speaker Om Birla has been re-elected after completing a 5-year term on this post. It is believed that he will complete this 5-year term as well. In this way, after Balram Jakhar, he is the second speaker who has created this history.

It is important to know: How did the demons get the golden Lanka? Know the whole story from the pages of culture

Vishwakarma said, there is a mountain named Trikuta at a distance of about one hundred yojanas from the coast of the southern sea. On that peak, I had built a golden city for Devraj Indra. If you want, you can live there. At the time of creation of the universe, Brahma created aquatic creatures and told them, 'Water is the most useful element of the universe. Its worship and protection, both are necessary. The creatures who protect it will be called 'Raksha' and the creatures who worship water will be called 'Yaksha'.' In this way, Raksha (demons) and Yaksha castes came into existence. In the demon caste, there were two brothers named Heti and Praheti. After some time Praheti took sanyaas, then the responsibility of leading the demons fell on Heti. Heti married Bhaya, the sister of Kaal. They had a son - Vidyutkesh. He married Salkatankata, the daughter of Sandhya. Salkatankata was of a lustful nature and was always engrossed in sexual intercourse with her husband. When Salkatankata became pregnant, she started worrying about how she would love Vidyutkesh after having a child. A few days later, Salkatankata gave birth to a son, seeing whom Vidyutkesh was happy, but Salkatankata started feeling that her own son was an obstacle in their lovemaking. Finally, one day she said in irritation, 'I cannot take care of him... I am abandoning him.' Vidyutkesh tried to convince his wife a lot, but she did not agree. Finally, on the advice of Salkatankata, Vidyutkesh left his newborn son to die on a mountain peak. The child kept crying due to hunger and thirst. Coincidentally, Shiva and Parvati were going somewhere. When they heard the baby crying, they immediately reached him. Seeing the child in such a pitiable condition, Mother Parvati's heart melted. 'Lord, who is this child?' Parvati asked Mahadev. Shiva told Parvati about the child and his parents. Parvati cursed the demon race in anger: 'My curse is that babies born in the demon clan will immediately become adults!' Shiva-Parvati took upon themselves the responsibility of raising the child. Seeing his beautiful hair, Parvati named him 'Sukesh'. Sukesh became very strong and knowledgeable under the tutelage of Mahadev and Parvati. One day Parvati and Shiva called Sukesh and said, 'Son, under the weak leadership of your father Vidyutkesh, the prestige of the demons has diminished. You have grown up now. So lead the demons and restore the glory of the clan.' Sukesh immediately started organizing the demons. Under his leadership, the demons again became resourceful and powerful and their lost prestige was restored. Then Sukesh married a Gandharva girl named Devavati. Devavati gave birth to three powerful sons - Malyavan, Sumali and Mali. All three were very strong. All three brothers became extremely powerful by performing severe penance and acquiring powers from Brahma. They even gained control over the gods. One day, all three brothers said to Devshilpi Vishwakarma, 'We want to build a grand city for demons, which is at a place where no enemy can reach.' Vishwakarma thought and said, 'There is a mountain named Trikuta at a distance of one hundred yojanas from the coast of the southern sea. It is so high that even birds cannot reach there by flying. That place is formidable. I had built a wonderful and huge golden city for Devraj Indra on that peak. But Indra did not like it. Therefore, that golden city is lying deserted. If you want, you can live there.' 'What is the name of that city?' Malyavan asked. 'Lanka!' Vishwakarma replied. In this way, Lanka, which was built for Indra, became the property of demons.

Lohia on caste discrimination, his thoughts and words have amazing contemporaneity

Lohia understood very well that 'caste' is an important factor in Indian society. Those who do not believe in it theoretically, accept it practically. Talking about the last decades of British rule, socialist and communist leaders in India were active in anti-colonial politics. After that, in the decades before independence, both these groups remained an important challenge for the Congress Party. Apart from courage and ideals, the early generations of socialists and communists had many other qualities. Still, they lacked one thing - lack of awareness about caste discrimination in Indian society. But in this case, socialist thinker and politician Ram Manohar Lohia was an exception. What Lohia wrote on caste discrimination was collected by his admirers and published in the form of a book from Hyderabad during his lifetime. Although that book is not in print for a long time, an independent publisher did bring out its revised edition. Coincidentally, that publishing house was also located in Hyderabad. Lohia wrote about his leftist comrades that they think sincerely but wrongly. They believe that caste inequality will automatically disappear as a result of the elimination of economic inequality. They had to eliminate the demon of economic and caste inequality, but they failed to understand this. Lohia understood well that 'caste' is an important factor in Indian society. Those who do not accept it in theory, accept it in practice. He wrote that in India 'many rituals like birth, death, marriage, feasts' are conducted according to the caste structure. This system was implemented to ensure that "the people of the upper castes maintain their rule both politically and economically. They could not run this system alone on the strength of the gun, so they had to instill a sense of inferiority in those whom they wanted to rule and exploit." However, Lohia does not condone discrimination against Dalits. His focus was on the upper castes, which formed the political, administrative, professional, business and intellectual elites, and on the lower castes, who were largely underrepresented in power and higher positions. In 1958, he wrote that the upper castes constituted less than a fifth of India's population. Yet they easily find their way into national activities, business, the military, the civil service or political parties. This imbalance had to be corrected for the nation to progress. Lohia wanted his comrades to fight to bring the lower sections of society, such as women, backward classes, Harijans, Muslims and Adivasis, to the forefront, even if their qualifications were necessarily less. He believed that what happened over centuries of history must now be undoing it. Lohia expected socialists to promote inter-caste marriages, especially between different varnas. He writes, "If the bondage of caste is broken or relaxed a little, many young men of upper castes will be attracted to women of backward castes and will bring happiness to themselves as well as to the country. In the same way, boys of backward castes will be able to enter the lives of women of upper castes." In 1960, Lohia had talked about the formation of an association to study caste and understand backwardness. He gave eight main objectives of this association, of which I will tell you about two. The first is that religion as well as its practices should be freed from caste defects, with the belief that inter-caste marriages can end castes. The second is that a demand should be made to reserve 60 percent of the posts in government posts, political parties, business and armed services for backward castes, women, Harijans and tribals as a matter of law or tradition. An interesting part of the book reproduces a series of letters exchanged between Dr Lohia and his colleagues on the one hand and Dr Bhimrao Ambedkar on the other in 1955-56. An attempt was made here to bring the two leaders and their followers closer to each other, perhaps with the objective of their parties fighting the 1957 general elections on a common platform. When the correspondence between Lohia and Ambedkar began, Lohia told Ambedkar, "I want sympathy to be joined with anger and you should become the leader not only of the backward classes but of the Indian people as well." Ambedkar replied to Lohia's letter, "Come and meet me in Delhi on October 2." This was Gandhi's birthday and perhaps a mere coincidence. Unfortunately, Lohia's nomadic life and Ambedkar's ill health prevented the two revolutionary reformers from meeting in person to discuss possible collaboration. Ambedkar died on 6 December 1956. Lohia wrote to his fellow socialist Madhu Limaye, "Ambedkar was a great man of Indian politics. Along with Gandhi, he was the greatest Hindu. This fact has always given me strength and faith that the caste system can one day be abolished from Hinduism." He further wrote, "Dr. Ambedkar was a learned, honest, courageous and independent man. He could be seen as a symbol of honest India to the outside world. But he was a little strict. He Refused to become the leader of non-Harijans." Lohia thought that the true tribute to Ambedkar would be to let him remain Dr. Ambedkar. Lohia's deep awareness of caste discrimination sets him apart from other socialists of his time and the same applies to his 'feminism'. He writes, "If the Indian people are the most unhappy on earth, then caste discrimination and attitude towards women are mainly responsible for this degradation." Lohia writes, "In a patriarchal society it happens that the place of the woman is in the kitchen. In such a case, the socialists should protest and say that in such a case the place of the man should be in the nursery. For sixty years it has been argued that the husband and the father should participate equally in the upbringing of the children. This may be an ideal situation, but it is nowhere to be seen in practice." The articles, letters and speeches quoted in this column were written between 1953 and 1961. It may be that Brahminism does not dominate politics and administration as much as it did in the 1950s. Still, they exert an influence in culture and economic life far beyond the proportion of their share in the population. Therefore, in many cases, Lohia's thoughts and words on caste have a remarkable contemporaneity.Refused to become the leader of non-Harijans." Lohia thought that the true tribute to Ambedkar would be to let him remain Dr. Ambedkar. Lohia's deep awareness of caste discrimination sets him apart from other socialists of his time and the same applies to his 'feminism'. He writes, "If the Indian people are the most unhappy on earth, then caste discrimination and attitude towards women are mainly responsible for this degradation." Lohia writes, "In a patriarchal society it happens that the place of the woman is in the kitchen. In such a case, the socialists should protest and say that in such a case the place of the man should be in the nursery. For sixty years it has been argued that the husband and the father should participate equally in the upbringing of the children. This may be an ideal situation, but it is nowhere to be seen in practice." The articles, letters and speeches quoted in this column were written between 1953 and 1961.

अपहरण-गोलीकांड केस : पुलिस मुठभेड़ दो आरोपी गिरफ्तार, एक के पैर में लगी गोली...चार आरोपी अभी भी फरार

मुरादाबाद- मूंढापांडे थाना क्षेत्र में बीते बुधवार देर रात महिला को अगवा करने की कोशिश के विरोध पर मां-बाप और भाई को गोली मारने के मामले में पुलिस ने मुठभेड़ में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जिसमें से एक के पैर में गोली लगी है। वहीं एक पुलिसकर्मी भी घायल हुआ है। दोनों जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक आरोपी से पुलिस पूछताछ कर रही है। पुलिस की पांच की टीमें आरोपियों की तलाश में जुटी हैं। चार आरोपी अभी भी फरार हैं। वहीं अमृत विचार ने एक दिन पहले आरोपियों की गिरफ्तारी की पुष्टि की थी।इससे पहले कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपियों के मकान पर बुलडोजर चलवा दिया था। आरोपियों ने ग्राम समाज की जमीन पर अवैध कब्जा कर मकान का निर्माण कराया था। शुक्रवार को एसएसपी सतपाल अंतिल ने लापरवाही बरतने पर मूंढापांडे के थाना प्रभारी शैलेंद्र कुमार, तत्कालीन थाना प्रभारी दीपक

मलिक, बहजोई थाने के प्रभारी सतेंद्र पंवार और दरोगा दिनेश कुमार को निलंबित कर दिया गया है। एसपी सिटी अखिलेश भदौरिया ने बताया कि मूंढापांडे थाना क्षेत्र के गांव समधी शिवपुरी गांव में बीते बुधवार की देर रात एक युवती को अगवा करने गए 6 बदमाशों ने परिजनों के विरोध करने पर तीन लोगों को गोली मार दी थी, जिसके बाद से पुलिस इन बदमाशों की तलाश में लगातार दबिश दे रही है। पुलिस क्षेत्र में देर रात गश्त कर रही थी। पुलिस ने मुठभेड़ में दो बदमाशों मुदस्सिर और भूरा को पकड़ा है। दोनों ने युवती को अगवा करने वाली घटना में शामिल होना कबूल किया है। इनके पास से दो तमंचे बरामद किए है। घटना का मुख्य अभियुक्त मुस्लिम और उनके बाकी साथी अभी फरार चल रहे हैं।

पुलिस को चकमा देकर कोर्ट में सरेंडर करने की फिराक में आरोपी

मुरादाबाद- मूंढापांडे के एक गांव में महिला के अपहरण और गोलीकांड मामले की जांच डीआईजी ने रामपुर के पुलिस अधीक्षक को सौंपी है। उनके साथ टीम में सीओ हाईवे को भी शामिल किया है। जांच एजेंसियों के साथ पुलिस की पांच टीमें आरोपियों की तलाश में जुटी हैं। जबकि, आरोपी पुलिस को चकमा देकर कोर्ट में सरेंडर करने की फिराक में हैं। दूसरी तरफ पुलिस सूत्रों का दावा है कि पुलिस टीमें आरोपियों के करीब पहुंच चुकी हैं। जल्द ही उनकी गिरफ्तारी हो सकती है।डीआईजी मुनिराज जी ने बताया है कि, पूरे प्रकरण की जांच रामपुर के एसपी विद्या सागर मिश्र को सौंपी गई है। वहीं सीओ हाईवे भी उनके साथ जांच में सहयोग करेंगे। उन्होंने बताया कि, जांच के लिए पांच टीमें गठित की गई हैं। जो सभी तलाश में जुटी हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पुलिस की टीमें सभी आरोपियों के करीब पहुंच चुकी हैं। सोमवार या मंगलवार तक सभी आरोपियों को गिरफ्तारी का दावा किया है। जबकि, आरोपी भी पुलिस को चकमा देकर कोर्ट में सरेंडर करने की फिराक में हैं। बता दें, बुधवार आधी रात महिला के अपहरण की नाकाम कोशिश के बाद आरोपियों ने परिवार पर गोलियां बरसाना शुरू कर दिया था। घटना में मां-बाप व भाई घायल हुए थे। डीआईजी ने लापरवाही बरतने पर तत्काल प्रभाव से चार पुलिसकर्मियों को निलंबित किया है। आरोपियों पर 25 हजार का इनाम घोषित है। प्रशासन ने शुक्रवार को कार्रवाई के दौरान आरोपियों के घरों को बुलडोजर से जमींदोज कर दिया। अभी तक सभी आरोपी फरार हैं।

12 साल के बच्चे को अगवा कर ले गया घर, दुष्कर्म के बाद गला दबाकर मार डाला, सीसीटीवी से पकड़ा आरोपी

मुरादाबाद- मुरादाबाद में 12 साल के मासूम की दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी मासूल को अकेला देख अपने साथ ले गया था। सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद उसकी पहचान हो पाई थी। मझोला थाना क्षेत्र से दो दिन पहले अगवा 12 साल के मासूम की दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई। पुलिस ने आरोपी पड़ोसी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर बिलारी के स्योंडारा से बच्चे का शव बरामद कर लिया है। मृतक बालक का परिवार मूलरूप से बदायूं के इस्लाम नगर क्षेत्र निवासी है।उसके पिता चौकीदारी करते हैं। बालक बृहस्पतिवार शाम करीब चार बजे से लापता हो गया था। बच्चा मानसिक रूप से कमजोर था। पिता ने मझोला थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस और परिजन उसकी तलाश में जुटे थे। इस दौरान कैमरों की फुटेज से पुलिस को पता चला कि लाल रंग की स्कूटी पर वह एक युवक के पीछे बैठा जाता दिखाई दिया।पुलिस ने क्षेत्र के लोगों से उसकी पहचान की तो पता चला कि स्कूटी चलाने वाला युवक शरद उर्फ अमन (22) दिल्ली रोड स्थित रिलायंस पेट्रोल पंप के पीछे रहता है। आरोपी यहां एक फर्म में काम करता है। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने बताया कि वह बच्चे को बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया था। बच्चे को स्कूटी से वह बिलारी के स्योंडारा अपने घर ले गया था। जहां उसने बच्चे के साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद उसकी गला दबाकर हत्या कर दी थी। उसकी लाश अपने ही घर में बंद कर वहां से भाग आया था। शनिवार की रात मझोला थाने की पुलिस आरोपी की निशानदेही पर शव को बरामद कर लिया। सीओ सिविल लाइंस अर्पित कपूर ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। रविवार को शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। 25 साल पहले गांव छोड़ आया था आरोपी का परिवार- आरोपी शरद उर्फ अमन का परिवार 25 साल पहले पैतृक गांव स्योंडारा छोड़कर मुरादाबाद आकर बस गया था। आरोपी का गांव में केवल एक मकान है। वह भी खंडहर नुमा हो चुका है। आरोपी शरद बच्चे को स्कूटी पर बैठाकर स्योंडारा ले गया था। वहां आरोपी ने बच्चे के साथ दुष्कर्म किया। गला घोंटकर हत्या करने के बाद उसकी लाश मकान में छोड़ दी और बाहर से ताला लगाकर भाग निकला था। पीड़ित परिवार बदायूं निवासी- मृतक बच्चे के पिता 12 साल पहले बदायूं से मुरादाबाद में आकर मझोला क्षेत्र में रहने लगे। वह फर्म में चौकीदारी करते हैं। उनका बेटा मानसिक रूप से कमजोर था। वह अक्सर घर से बाहर निकल जाता था। इसके बाद वह किसी के भी साथ चला जाता था। आरोपी ने इसी का फायदा उठाया और उसे स्कूटी पर बैठा कर ले गया था। फुटेज से मिली मदद- मझोला थाना प्रभारी केके वर्मा ने बताया कि बच्चे की गुमशुदगी दर्ज करने के बाद आस पड़ोस के कैमरों की फुटेज खंगाली थी। जिसमें एक कैमरे की फुटेज से आरोपी के बारे में जानकारी मिल गई थी।

जीत से मोहम्मद शमी उत्साहित, कहा- हम विश्व चैंपियन... अविस्मरणीय यात्रा

मुरादाबाद- टी-20 विश्वकप में भारत की रोमांचकारी जीत ने सभी को रोमांचित कर दिया। जीत की खुशी में मुरादाबाद मंडल में प्रसंशकों ने जमकर आतिशबाजी की। उधर, भारतीय गेंदबाज मोहम्मद शमी ने साथी खिलाड़ियों को जीत की बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह अविस्मरणीय यात्रा है। टी-20 वर्ल्डकप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका पर भारत की रोमांचकारी जीत से मुरादाबादी खुशी से झूम उठे। भारत को मिली जीत पर क्रिकेटर मोहम्मद शमी भी उत्साहित नजर आए। उन्होंने साथी खिलाड़ियों को बधाई दी है। शहर में दिल्ली रोड, बुद्धि विहार, सिविल लाइंस और कटघर में क्रिकेट प्रेमी सड़कों पर उतर आए। आतिशबाजी कर अपनी खुशी का इजहार किया।शनिवार सुबह से ही जगह जगह भारत और अफ्रीका के बीच होने वाले टी-20 वर्ल्ड फाइनल मैच को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई थीं। गांव, मोहल्ले और कॉलोनियों से लेकर सरकारी दफ्तरों में ही मैच की चर्चा थी। रात आठ बजे जैसे ही मैच तो टीवी से लेकर मोबाइल तक पर एक-एक पल देखने में जुट गए थे। शुरुआत में भारत के दो गिरे तो क्रिकेट प्रेमी निराश नजर आए लेकिन विराट कोहली की शानदार पारी, अक्षर पटेल और दुबे के उपयोगी रनों से भारत सम्मानजनक स्कोर खड़ा करने में कामयाब हुआ। जिससे पीतल नगरी क्रिकेट प्रेमी खुश नजर आने लगे।शुरुआत में भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी आउट किए। उतार चढ़ाव वाले इस मैच में पल-पल परिस्थितियां बदलती रहीं। अक्षर पटेल के ओवर में क्लासेन का रुख अपने कर लिया था। ओवर में हार्दिक क्लासेन को कर दिया।इससे ने शानदार जीत पर ही तैयारी कर और मंडी चौक साउथ अफ्रीका जीत पर तेज हम विश्व के में साउथ अफ्रीका के बल्लेबाज पवेलियन भेज दिए थे। बीच में मिलर और क्लासेन ने रन बनाए। जिससे कुछ समय के लिए मैच साउथ अफ्रीका के पक्ष में चला गया था लेकिन अंतिम ओवरों में भारतीय गेंदबाजों ने वापसी की और मैच साउथ अफ्रीका के जबड़े से निकाल लिया। - पीयूष चावला, पूर्व क्रिकेटर, अंतिम ओवरों में हार्दिक, बुमराह, अर्शदीप सिंह ने शानदार गेंदबाजी की। इनके सामने साउथ अफ्रीका के खिलाड़ी रन बनाने को तरस गए। 17 साल बाद भारत फिर टी-20 विश्व कप विजेता बन गया है। - मोहसिन खान, क्रिकेटर17 साल बाद भारत फिर चैंपियन बन गया है। हर एक खिलाड़ी ने जीत में अपनी भूमिका दिखाई है। इस शानदार जीत के लिए सभी देश वासियों को बधाईयां। - विजय गुप्ता, पूर्व रणजी खिलाड़ी, सीमा रेखा पर सूर्य कुमार यादव ने छह रन के लिए जा रही गेंद को शानदार तरीके से कैच किया और छह रन भी बचा लिए। इस कैच ने पूरा मैच ही पलट दिया था। यहां से भारत के पक्ष में मैच पूरी तरह से आ गया था। - बदरुद्दीन, क्रिकेट कोच

संक्षिप्त समाचार

बिलारी में हाईवे पर सड़क हादसा, स्कूटी सवार सिक्योरिटी गार्ड की मौत, दस लोग जख्मी..पहुंचाए अस्पताल

मुरादाबाद- बिलारी में हुए सड़क हादसे में एक युवक की जान चली गई। हादसे में दस लोग जख्मी हो गए। सभी को उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बिलारी थानाक्षेत्र के हाथीपुर गांव में हाईवे पर रविवार तड़के मारुति वैन और स्कूटी की टक्कर हो गई। हादसे में स्कूटी सवार सिक्योरिटी गार्ड दीप सिंह (27) निवासी ग्राम सहसपुर की जान चली गई। इसके अलावा वैन चालक अर्जुन समेत दस यात्री घायल हो गए।राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। उन्होंने सभी घायलों को उपचार के लिए सीएचसी बिलारी पहुंचाया। यहां से वैन चालक के अलावा घायल दंपती नन्हू और विद्यावती निवासी रुदायन जिला बदायूं को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।सीओ राजेश तिवारी ने अस्पताल पहुंचकर घायलों को हाल जाना। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दीप सिंह की शादी चार साल पहले हुए थी। युवक की करंट लगने से मौत- छजलैट में दुकान की सफाई करते समय सरिया हाई-वोल्टेज लाइन से टकरा गई। इससे करंट लगने से युवक की मौत हो गई। गांव सराय खजूर का रहने वाला शादाब (25) शनिवार की दोपहर दुकान की साफ सफाई कर रहा था। दुकान में कुछ लोहे की सरिया भी रखी थी, जिसे वह छत पर रखने के लिए ले जा रहा था। इसी दौरान ऊपर से गुजर रही हाई-वोल्टेज लाइन से सरिया टकरा गई, जिससे वह करंट की चपेट में आ गया। परिवार के लोग उसे इलाज के लिए मुरादाबाद भी ले गए, लेकिन चिकित्सकों ने यहां उसे मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद परिवार वाले शव को घर ले आए। बताया गया है कि शादाब अविवाहित था। वह अगवानपुर के एक निजी चिकित्सक का कंपाउंडर था। चिकित्सक ने ही उसके गांव में डॉक्टरी की दुकान खोलने के लिए दुकान किराये पर ली थी, जिसकी शादाब साफ सफाई कर रहा था। ई रिक्शा में कार ने मारी टक्कर, तीन घायल-अगवानपुर में कांठ रोड के शेरुआ धर्मपुर में शनिवार को तेज रफ्तार कार ने ई रिक्शा में टक्कर मार दी। इस हादसे में रिक्शा सवार तीन लोग घायल हो गए। शेरुआ धर्मपुर निवासी नेहाल, बालकुमार व संगीत शनिवार को दीवान शुगर मिल की तरफ से गांव में आ रहे थे। इस दौरान गांव में ही छजलैट की तरफ से तेज रफ्तार से आ रहीं कार से पीछे से ई रिक्शा में टक्कर मार दी। तीनों घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया है।

ग्रीन आर्चिड सोसायटी में लिफ्ट में फंसे लोग, बेसमेंट में भरा सीवर का पानी, लोगों ने काटा हंगामा

मुरादाबाद- नया मुरादाबाद की ग्रीन आर्चिड सोसायटी के लोगों ने प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि सोसायटी में लगातार लिफ्ट खराब हो रही है। इसमें लोग फंस रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिकायत के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। नया मुरादाबाद की ग्रीन आर्चिड सोसायटी में लिफ्ट में कई लोगों के फंस गए। जिन्हें जैसे-तैसे लिफ्ट से बाहर निकाला गया। वहीं बारिश के कारण निकास अभाव में सोसाइटी के बेसमेंट में सीवर का गंदा पानी भर गया। इसे लेकर सोसायटी के लोगों ने जमकर हंगामा किया। साथ ही कुछ लोगों ने एमडीए के अधिकारियों से की है।इस पर वीसी शैलेष कुमार ने एक टीम को मौके पर भेज कर इसकी जांच कराई है। एमडीए सचिव अंजूलता ने सोसाइटी संचालक को नोटिस जारी कर पूर्णता प्रमाण पत्र प्राप्त एक सप्ताह में प्राप्त करने के निर्देश दिए गए हैं। सोसायटी के लोगों ने बताया कि ग्रीन आर्चिड सोसाइटी के बिल्डर ने उन्हें 2019 में फ्लैट का अलॉटमेंट दिया था, लेकिन पांच साल बाद भी बिल्डर द्वारा एग्रीमेंट में लिखित रूप से दी गई मूलभूत सुविधाएं अभी तक पूरी नहीं की गई हैं। मैनेजमेंट लगातार सोसायटी वासियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ के बाद भी मेंटीनेंस के नाम पर शुल्क प्रतिमाह वसूल रहा है। आरोप है लिफ्ट में आए दिन बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं, फंस जाते हैं। शुक्रवार रात कई लोग लिफ्ट में फंस गए। जिन्हें कड़ी मशक्कत के बाद निकाला गया। सोसायटी के लोगों का आरोप है कि सीवर का गंदा पानी भी सोसाइटी के बेसमेंट में जमा हो गया है। इसके विरोध में सोसाइटी के लोगों ने हंगामा किया। इस मौके पर सोसाइटी के अध्यक्ष भाजपा नेता अभिषेक चौबे, सनेश सिंह, विपुल सैक्सेना, हरविंद्र सिंह, सुनील अग्रवाल, मुकेश गुप्ता, गिरधर गुप्ता, हमेंत शर्मा, अनिल शर्मा, सोभन गर्ग आदि मौजूद रहे।फ्लैट में रह रहे लोगों की शिकायत पर वीसी के निर्देश पर एमडीए की टीम शनिवार मौके पर पहुंच शिकायतों की जांच की। एमडीए के एक्सीएन अमित कादियान और उनकी टीम ने मौके पर सोसायटी के लोगों के सामने ही बिल्डर को बुला लिया और समस्याओं का निराकरण करने के निर्देश दिए। ऐसा न करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी है। वीसी शैलेष कुमार ने बताया कि शिकायत पर जांच कराई गई है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

3 नए कानून के बारिकीयों से अवगत हुए सूरजपुर पुलिस के अधिकारीगण

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- सहायक प्राध्यापक (विधि) डॉ. प्रिया राव ने वर्चुअल माध्यम से दिया प्रशिक्षण। डीआईजी/एसएसपी सूरजपुर ने भी दी नए कानून के बारे में विस्तृत जानकारी। 1 जुलाई 2024 से तीन नए कानून प्रभावशील हो जायेगा, कानून की बारीकियों से अवगत कराने ताकि उसके क्रियान्वयन में दिक्कत न आए इसके लिए रविवार, 30 जून 2024 को पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के सहायक प्राध्यापक (विधि) डॉ. प्रिया राव के द्वारा वर्चुअल माध्यम से जिले की पुलिस अधिकारियों को नए कानूनों के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। सहायक प्राध्यापक डॉ. राव ने सरल शब्दों में तीन नए कानूनों, एफआईआर दर्ज करने के बाद से लेकर चालान प्रस्तुत करने तक के प्रक्रिया एवं विवेचना के दौरान व्यवहारिक रूप से दिक्कतों का निराकरण कैसे की जानी है, डिजिटल/इलेक्ट्रानिक साक्ष्यों के संकलन के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि भारतीय न्याय सहिंता 2023 में कुल 358 धाराएं होंगी जबकि वर्तमान कानून में यह 511 हैं। जिसमे 21 नई धाराओं को जोड़ा गया है, 41 धाराओं में सजा को बढ़ाया गया है। 82 धाराओं में फाईन को बढ़ाया गया है। 25 धाराओं में न्यूनतम सजा का प्रावधान, 06 धाराओं में सामुदायिक अपराधों को जोड़ा गया है एवं 19 धाराओं को हटाया गया है। भारतीय नागरिक सुरक्षा सहिंता 2023 में 531 धाराएं होंगी जबकि वर्तमान कानून में यह 484 है। भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 में कुल 170 धाराएं हैं, वर्तमान कानून में 166 धाराएं हैं। जिला पुलिस कार्यालय में उप पुलिस महानिरीक्षक व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री एम.आर.आहिरे (भा.पु.से.) सहित पुलिस राजपत्रित अधिकारी, जिले थाना-चौकी प्रभारी एवं विवेचकगण इस वर्चुअल बैठक में सम्मिलित हुए। बैठक समाप्त होने के उपरान्त डीआईजी/एसएसपी श्री एम.आर.आहिरे ने तीन नए आपराधिक कानून के क्रियान्वयन हेतु तैयारियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि सभी पुलिस अधिकारीगण इस कानून के बारें में कानूनी किताब एवं पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी एसओपी से अवगत होकर जानकारी प्राप्त कर ले ताकि कानून लागू होने पर स्पष्ट तरीके से क्रियान्वयन हो सके और इसमें किसी प्रकार की दिक्कत न जाए। आम जन को इन कानूनों की जानकारी हो इसके लिए विभिन्न माध्यमों से कानूनों का प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। एक जुलाई 2024 को जिला मुख्यालय व हर थाने में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा जिसमें नये कानून के बारे में लोगों को जानकारी दी जाएगी।

इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो, डीएसपी रितेश चौधरी, एसडीओपी सूरजपुर नंदिनी ठाकुर, डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, जिले के थाना-चौकी प्रभारीगण व जिला पुलिस कार्यालय के अधिकारीगण मौजूद रहे।

पुलिस विभाग में लंबे अवधि तक सेवायें देने के बाद एसआई जगसाय, राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्त, एएसआई शोभित राम हुए सेवा निवृत्त

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- डीआईजी/एसएसपी सूरजपुर ने सेवानिवृत्त हुए तीनों अधिकारियों को किया सम्मानित। पुलिस विभाग में पदस्थ रहे एसआई जगसाय ने 39 वर्ष 4 माह, एसआई राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव ने 36 वर्ष 10 माह एवं एएसआई शोभित राम ने 42 वर्ष 6 माह तक लगातार अपनी सेवा देकर 30 जून 2024 को सेवा निवृत्त हुये।

रविवार को जिला पुलिस कार्यालय में उप पुलिस महानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री एम.आर.आहिरे (भा.पु.से.) ने इन तीनों अधिकारियों को साल-श्रीफल एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया और पेंशन स्वीकृति का आदेश सौंपा। इस दौरान सेवानिवृत्त एसआई व एएसआई का पूरा परिवार मौजूद रहा। इस दौरान डीआईजी-एसएसपी सूरजपुर श्री एम.आर.आहिरे ने कहा कि तीनों पुलिस अधिकारी लंबी अवधि तक विभाग में सेवायें दी, कर्तव्य निष्ठा के साथ सौंपे गए दायित्यों का निर्वहन किया, इनका रिकार्ड बहुत अच्छा है इससे दूसरों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस का कार्य लोगों की भलाई और सेवा के साथ ही अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही कर सजा दिलाना होता है जिसे तीनों ने बखूबी निभाया। प्रकृत्ति का नियम है आप दूसरों के लिए अच्छा करेंगे तो आपके साथ अच्छा होगा। सेवा के बाद दूसरी पारी में परिवार के साथ समय व्यतीत कर खुश रहे। पुलिस विभाग की सेवा से सेवानिवृत्त हुए तीनों अधिकारियों को साल, श्रीफल एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया और बेहतर स्वास्थ्य एवं उज्जवल भविष्य की कामना की। इस दौरान सेवा निवृत्त हो रहे तीनों अधिकारियों के द्वारा सेवा के अनुभव को साझा किया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो, डीएसपी रितेश चौधरी, एसडीओपी सूरजपुर नंदिनी ठाकुर, डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, जिले के थाना-चौकी प्रभारीगण व जिला पुलिस कार्यालय व रक्षित केन्द्र के अधिकारीगण मौजूद रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

बरेली -पीलीभीत हाईवे किनारे लगे हरे-भरे पेड़ को काटा

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। थाना इज्जतनगर के गांव कलापुर में नयी कालौनी कैलाश नगर के सामने लगे अर्जुन के हरे-भरे पेड़ को लगभग दो माह पहले काटा जा रहा था। तुरन्त इसकी सूचना किसी ने वन विभाग को दे दी। सूचना पर पहुंची वन दरोगा योगिता ने मौके पर देखा अदकटा पेड़ खड़ा था ?एक ठेला भी मौके पर मिला था।जिसे वन विभाग ने कब्जे में ले लिया।उस समय किसी पर कोई लिखित कार्यवाही नहीं हुई थी। हालांकि पेड़ काटने वालों का एक वीडियो भी वायरल हुआ था।बीती रात्रि उसी पेड़ को फिर से काटकर ले गये।

नहीं रहे व्यवसायी मुरलीधर गुप्ता ,दौड़ी शोक की लहर

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा- थाना हाफिजगंज के कस्बा रिठौरा के मोहल्ला काहरान निवासी किराना व्यवसायी मुरलीधर गुप्ता 76 का रविवार सुबह चार बजे अचानक साथ ही प्राण पत्नी उर्मिला गुप्ता की कोशिश की बहुत देर हो चुकी ज़ोर विलाप करने आसपास के लोग तुरन्त उनके बहू -

आई खांसी के पखेरू हो गये। ने उन्हें सहारा देने लेकिन तब तक थी।वह ज़ोर - लगीं। इतने में जमा हो गए। बेटे पहुंच गये। जैसे ही उनके निधन की खबर नगर में हुई। जिसने सुना वह उनके अंतिम दर्शनों को पहुंचा।दोपहर बाद उनका अंतिम संस्कार नगर के ही शमशान घाट में कर दिया गया।मुख्यगनि उनके बड़े बेटे महेश कुमार उर्फ पप्पू गुप्ता ने दी।श्री गुप्ता अपने पीछे पत्नी चार बेटे दो बेटियों का भरा-पुरा परिवार छोड़ गए हैं। मृत्यु के समय उनका मंझला बेटा मुकेश गुप्ता अमरनाथ यात्रा पर गए हुए थे।वह अपने पिता के अंतिम दर्शन भी नहीं कर सके। चेयरमैन शकुन्तला देवी प्रतिनिधि अमित गुप्ता, धनपाल सिंह, पूर्व चेयरमैन अशोक कुमार गुप्ता, अंजलि गुप्ता, सभासद मनोज कश्यप, जिला व्यापार मण्डल अध्यक्ष सुधीश पाण्डेय,योगी सेना के जिला मंत्री हिमांशू पटेल, हिन्दू जागरण मंच के नगर अध्यक्ष रमेश वर्मा, राजीव साहू,शिक्षक प्रदीप कुमार गुप्ता, हाजी मोहम्मद शाकिर अंसारी, इरशाद अंसारी, मोहम्मद शाकिर उर्फ़ लाल आदि ने गहरा शोक जताया है।

तीन नए कानून के बारे में मिनिस्ट्री ऑफ लॉ एण्ड जस्टिस डिपार्टमेंट द्वारा आयोजित की गई वर्चुअल बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- 1 जुलाई 2024 से तीन नए आपराधिक कानूनों भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय न्याय संहिता एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू होगी जिसके प्रभावी ढंग क्रियान्वयन के लिए मिनिस्ट्री ऑफ लॉ एण्ड जस्टिस डिपाटमेंट ऑफ लीगल अफेयर्स के द्वारा मुम्बई महाराष्ट्र से हाईब्रिड मोड वर्चुअल माध्यम से कानून के बारीकियों से अवगत कराया गया। इस दौरान ई-कोर्ट, ई-फारेंसिंग प्लेटफार्म, ई-एफआईआर व जीरो एफआईआर सहित कानून में हुए बदलाव के बारे में पूरी जानकारी दी गई। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो, डीएसपी रितेश चौधरी, एसडीओपी सूरजपुर नंदिनी ठाकुर, डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, जिले के थाना-चौकी प्रभारीगण व जिला पुलिस कार्यालय के अधिकारीगण मौजूद रहे।

गहन डायरिया नियंत्रण पखवाड़ा (IDCF) का आयोजन 01 जुलाई से 31 अगस्त तक

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- शासन के निर्देशानुसार बच्चों में डायरिया से होने वाली मृत्यु की रोकथाम के उद्देश्य से जिले में स्टॉप डायरिया कैम्पेन 2024 का आयोजन 1 जुलाई से 31 अगस्त 2024 तक किया जाएगा। 0-5 वर्ष के बच्चों में मृत्यु का एक मुख्य कारण डायरिया भी है, जिसके शीघ्र निदान एवं उपचार से शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है। कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने स्टॉप डायरिया कैम्पेन 2024 के आयोजन के लिए स्वास्थ्य विभाग व अन्य संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। इस दौरान विभिन्न गतिविधियों का आयोजन जिला अस्पताल, सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तथा अन्य स्थानों पर किया जाएगा।

हाजी इकबाल का वीडियो आया सामने, VC के जरिए हुआ था पेश; जेल में बंद बेटों को बताया निर्दोष

यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हाजी इकबाल एक केस के मामले में मिर्जापुर थाने के सब इंस्पेक्टर के सामने पेश हो रहा है।पूर्व एमएलसी हाजी इकबाल को लेकर आए दिन कोई न कोई मामला चर्चाओं में रहता है। पिछले कुछ साल से पुलिस का भी एक ही जवाब है कि हाजी इकबाल फरार है, जो हाथ नहीं आ रहा। वह कहां पर है इस बारे में भी कोई सुराग नहीं लग रहा। इन सबके बीच हाजी इकबाल की एक वीडियो सामने आया है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हाजी इकबाल एक केस के मामले में मिर्जापुर थाने के सब इंस्पेक्टर के सामने पेश हो रहा है। इसमें बाकायदा सब इंस्पेक्टर नाम, तारीख, दिन, स्थान और केस आदि के बारे में पूछ रहे हैं इसमें हाजी इकबाल कह रहा है कि आज चार अप्रैल 2024 है और दोपहर के 12:33 बजे हैं। जब हाजी इकबाल से पूछा गया कि वह कहां पर हैं तो बताया कि वह यूएई देश के अलबरसा शहर में है। जब केस के बारे में पूछा गया तो हाजी इकबाल ने बताया कि वह सात अप्रैल 2022 से यूनिवर्सिटी के रिसर्च के काम से विदेश में है। हाजी इकबाल जेल में बंद बेटों को भी निर्दोष बता रहा है। छह मिनट से अधिक की इस वीडियो में काफी कुछ बातचीत हाजी इकबाल और सब इंस्पेक्टर के बीच हो रही है। सवाल यह है कि जब पुलिस को वह अपना पता बता रहा है तो गिरफ्तारी क्यों नहीं हो रही। यह बोले अधिवक्ता -

हाजी इकबाल के अधिवक्ता अनुपम मिश्रा का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने समक्ष लंबित लगभग सभी केसों पर स्टे लगा रखा है। कुर्की का आदेश माननीय निचली अदालत को गुमराह करके लिया गया है। इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की जाएगी। वीडियो की पुष्टि करते हुए बताया कि हाजी इकबाल कोर्ट के ही आदेश से वीसी के माध्यम से पेश हो रहा है।

प्रेमी ने दिया धोखा, खा ली नींद की 30 गोलियां- फोन और व्हाट्सएप से शुरू हुई थी मोहब्बत

गोरखपुर के शाहपुर इलाके में किराए के कमरे में रहने वाली महिला शनिवार की शाम नींद की 30 गोली एक साथ खा ली। सड़क पर लड़खड़ाता देख लोगों इसकी सूचना पुलिस को दी। शाहपुर पुलिस ने उसे मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। आरोप है कि उसका पुरुष मित्र से विवाद हो गया था।

पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।गोरखपुर के शाहपुर इलाके में किराए के कमरे में रहने वाली महिला शनिवार की शाम नींद की 30 गोली एक साथ खा ली। सड़क पर लड़खड़ाता देख लोगों इसकी सूचना पुलिस को दी। शाहपुर पुलिस ने उसे मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। आरोप है कि उसका पुरुष मित्र से विवाद हो गया था। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

मूलरूप से मऊ के मधुबन की रहने वाली महिला शाहपुर इलाके में रहकर फार्मासिस्ट की पढ़ाई कर बीआरडी मेडिकल कॉलेज में इंटर्नशिप की थी। इसके बाद वह शाहपुर इलाके में ही किराए के कमरे में रहते हुए फार्मेसी में नौकरी करने लगी।कुछ वर्ष पहले उसकी शादी हुई और एक बच्चा भी है। इसके बाद पति-पत्नी में विवाद हो गया। वह तलाक लेने की तैयारी कर रही थी। इसी बीच एक युवक से उसकी दोस्ती हो गई और फोन व व्हाट्सएप पर बातचीत भी शुरू हो गई। आरोप है कि दोनों के बीच संबंध भी बने। इसके बाद युवक उससे दूरी बनाने लगा और नंबर ब्लॉक कर दिया। युवक द्वारा दिए गए धोखे से नाराज होकर महिला उसे मिलने के लिए बुलाई, लेकिन वह नहीं आया। इस पर उसने जान देने की धमकी देते हुए मेडिकल स्टोर से तीन पत्ता नींद की गोली खरीदी और एक साथ खा ली।

2033 तक अयोध्या को विश्व स्तर का शहर बनाएगी सरकार, 27 बिंदुओं पर हो रहा है सिटी का विकास

प्रदेश की योगी सरकार अयोध्या को विश्व स्तर का शहर बनाने के लिए प्रयासरत है। सरकार अलग-अलग 27 बिंदुओं पर विकास के कार्य का खाका तैयार कर रही है। योगी सरकार वर्ष 2033 तक अयोध्या को विश्व का सर्वोत्तम शहर बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। इसके लिए वहां संचालित विभिन्न परियोजनाओं में 85 हजार करोड़ रुपए के निवेश की उम्मीद है। यह बात उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा कराई गई एक स्टडी में सामने आई है। यह स्टडी भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआई), अहमदाबाद गुजरात ने की है।ईडीआई ने अपनी स्टडी में बताया है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अयोध्या का विकास इंफ्रास्ट्रक्चर, परिवहन और सौंदरीकरण से जुड़े हुए मुख्यतः 27 बिंदुओं को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। इनमें से बहुत सारे प्रोजेक्ट पूरे हो चुके हैं। वहीं

कुछ पर अभी काम संचालित है, जिनके जल्द ही पूरा होने की उम्मीद है।इन 27 बिंदुओं को ध्यान में रखकर किया जा रहा है विकास- रोड और पार्किंग, रेल लाइन का दोहरीकरण, रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, एयरपोर्ट, गुप्तारघाट, मंदिर संग्रहालय, वैक्स संग्रहालय, सांध्य सरोवर, अयोध्या बाजार, 37 धार्मिक स्थलों का पुनर्विकास एवं सौंदर्यीकरण, 25 पौराणिक एवं 39 चौराहों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन, साउंड लाइट शो के साथ वाटर स्पोर्ट्स और सरयू में क्रूज का संचालन, सरयू के घाटों पर 500 प्रीफैब शौचालय की स्थापना, परिक्रमा मार्गों का विकास, विभिन्न मंदिरों का सौंदर्यीकरण एवं पुनर्विकास, 140 भाषाओं में मौसम का पूर्वानुमान, सोलर बोट्स का संचालन, 28 भाषाओं में पथ प्रदर्शक बोर्ड, हेलीकॉप्टर की सुविधा, ई-कार्ट सुविधा, दिव्यंगों एवं वृद्धजनों के लिए व्हीलचेयर, रेल ओवरब्रिज, लक्ष्मण पथ का निर्माण, सॉलिड वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना, कैफेटेरिया एवं ओपन थियेटर की सुविधाएं, सफाई मित्रों की तैनाती और स्ट्रीट लाईट जैसे अन्य प्रोजेक्ट शामिल हैं। वैश्विक मानकों को ध्यान में रखकर बनी हैं आगंतुकों, पर्यटकों, वास्तुकारों को आकर्षित करेगा, जो आने वाले वर्षों में शहर प्रबंधन और नगर नियोजन पर अध्ययन करेंगे।

अनुप्रिया पटेल पर अखिलेश का तंज, बोले- पत्र लिखकर किया जा रहा बीजेपी का बचाव

दिबियापुर विधायक के पौत्र की शादी समारोह में शामिल होने पहुंचे सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि बीजेपी आरक्षण के साथ खिलवाड़ कर रही है। आरक्षण की मूल भावन के खिलाफ काम कर रही है।सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने रविवार को भाजपा पर हमला बोला। कहा कि भाजपा आरक्षण के साथ खिलवाड़ कर रही है। जब से भाजपा सरकार आई है तब उनका हर फैसला आरक्षण की मूल भावना के खिलाफ है। जातीय गणना कराकर आबादी के हिसाब से सबका सम्मान हो यही संविधान कहता है। यही बात बाबा साहेब, लोहिया जी समेत नेताजी चाहते थे।

श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र जलालाबाद धर्मशाला में चार डीलक्स कमरों का लोकार्पण किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच
राकेश गुप्ता

शामली जलालाबाद श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र जलालाबाद जनपद शामली में आज जैन धर्मशाला में चार डिलक्स नये कमरो का लोकार्पण किया गया। विधि विधान से कमरो के लिए पूजा पाठ किया गया। उसके बाद सामूहिक रुप से राकेश जैन अध्यक्ष एवं कमेठी के सभी सदस्यों ने नये कमरो का लोकापर्ण किया। लोकार्पण में कमेठी के सभी सदस्य उपस्थित रहे। क्षेत्र के मंत्री श्री सुशील कुमार जैन ने सभी को पटका पहनाकर सभी सदस्यो का सम्मान किया। फिर नये कमरो में प्रवेश किया। लोकार्पण करने बाद प्रबन्ध समिति ने सर्व सम्मति से कमेठी के उपाध्यक्ष रहे तरुण कुमार जैन को वर्तमान में अध्यक्ष पद सौंपा । इस मौके पर सभी प्रबन्ध समिति के सदस्य उपस्थित रहे। राकेश जैन अध्यक्ष , तरुण जैन शामली उपाध्यक्ष, सुशील कुमार जैन मंत्री, मुकेश जैन ,जे0के0 जैन, सतेन्द्र जैन शामली, सतेन्द्र जैन जगाधरी सुभाष चन्द्र जैन, प्रदीप जैन, सुभाष जैन, भूपेन्द्र जैन, उमेश जैन शामली, नरेन्द्र जैन, सुशील जैन, संदीप जैन लोकार्पण में व कमरे निर्माण में डा0 यशपाल शर्मा, श्री विपिन जैन जौहरी दिल्ली, खेम चन्द्र जैन लुधियाना, रमेश चन्द्र जैन टिकरोल आदि का सहयोग रहा।

मजदूरी के रूपए मांगने पर युवक को बेहरमी से पीटा, शिकायत पर कार्रवाई में जुटी पुलिस

क्यूँ न लिखूँ सच
राकेश गुप्ता

शामली।पशु व्यापारियों के पास काम करने वाले एक युवक को मजदूरी के पैसे मांगना महंगा पड़ गया। आरोपियों ने युवक को फोन करते हुए कैराना रोड़ पर बुलाया और बेरहमी से मारपीट कर घायल करते हुए मौके से फरार हो गए। पीड़ित ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस ने पीड़ित युवक का मेडिकल परीक्षण कराते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है।रविवार को शामली कोतवाली पुलिस मोहल्ला कलंदरशाह निवासी हसीन पुत्र वसीम नाम के युवक को मेडिकल परीक्षण के लिए सीएचसी शामली पर लेकर पहुंची। हसीन ने बताया कि वह हनुमानगढ़ राजस्थान के कस्बा नौहर निवासी दो पशु व्यापारियों असलम व सिकंदर के पास काम करता है, जिनपर उसके मजदूरी के करीब 50 हजार रूपए बकाया हैं। बार-बार मांगने पर भी आरोपी मजदूरी के पैसे नही दे रहे थे।युवक ने बताया कि बार-बार तगादा करने पर दोनों पशु व्यापारियों ने उसे फोन करते हुए शामली के कैराना रोड़ पर बुलाया। आरोप है कि युवक जब कैराना रोड़पर पैट्रोल पंप के पास पहुंचा, तो दोनों पशु व्यापारियों ने अपने दो अज्ञात साथियों के साथ मिलकर उसे बेरहमी से पीटा और धमकी देते हुए फरार हो गए। पीड़ित ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। वही पुलिस ने घायल का मेडिकल परीक्षण कराते हुए शिकायत के आधार पर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना,क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 927776991

संक्षिप्त समाचार

नौकरी कर रहे 4 प्रधानाचार्य और एक शिक्षक बर्खास्त,फर्जी मार्कशीट व कूटरचित दस्तावेज के सहारे कर रहे थे नौकरी

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती- फर्जी मार्कशीट व कूट रचित दस्तावेज के सहारे बेसिक शिक्षा विभाग में तैनात चार प्रधानाचार्य व एक सहायक शिक्षक को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। इनके विरुद्ध एफआईआर कराने के साथ ही उनसे नियुक्ति से अब तक के वेतन की रिकवरी भी कराई जाएगी। कुछ अन्य शिक्षक भी संदेह के दायरे में हैं, जिनके विरुद्ध विभागीय जांच कराई जा रही है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमीता सिंह ने चारों को बर्खास्त किया है। अब वेतन की रिकवरी होगी खंड के प्राथमिक विद्यालय बगही में तैनात प्रधान शिक्षक अनूप कुमार फर्जी मार्कशीट व कूटरचित दस्तावेज के सहारे नौकरी कर रहे थे, जिन्हें जांच के बाद बर्खास्त कर दिया गया है। वहीं गिलौला विकासखंड के पिपरी में तैनात प्रधान शिक्षिका गीता देवी व हरिहरपुर रानी विकासखंड के असई पुरवा में तैनात प्रधान शिक्षक सुभाष चंद्र एवं गिलौला के प्राथमिक विद्यालय परेवपुर में तैनात प्रधान शिक्षक चंद्रप्रभा त्रिपाठी व जमुनहा के प्राथमिक विद्यालय हरदत नगर जांच के दौरान सभी के दस्तावेज फर्जी पाए गए। सभी को बर्खास्त कर दिया गया है। संबंधित थानों पर एफआईआर दर्ज कराई जाएगी और रिकवरी कराई जाएगी। गिरंट में तैनात सहायक शिक्षक राम नवल सहित फर्जी मार्कशीट व कूटरचित दस्तावेज पर नौकरी कर रहे उपरोक्त पांचों को बर्खास्त कर दिया गया। आरोप लगाने के बाद से ही यह लोग फरार चल रहे थे। विभाग में कुछ और लोग संदेह के दायरे में है। जिन पर जांच चल रही है।

गौशाला की व्यवस्था बद से बदतर

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती- विकास खण्ड जमुनहा अंतर्गत ग्राम पंचायत देवरनिया के बादपुरवा गांव समीप बने गौशाला पर केवल चारा खिलाने के चननी बनी हुई है जबकि जानवरों को अलग बैठने के लिए कोई व्यवस्था तक नहीं है। और गौशाला में भूसा रखने के लिए एक ही कमरा बना है बाकी भूसा बाहर ही पडा हुआ है। बरसात होने पर भूसा सड सकता है गौशाला में बाउंड्रीवाल भी नहीं है यहां आज तक विद्युत पोल नहीं लगाए गए हैं। जबकि पटपरगंज के अहिरनपुरवा गांव 5 सौ मीटर केबिल तार खींच कर बांस बल्ली के सहारे बिजली ग्राम प्रधान जाकिर देवरनिया ने बडे मेहनत से किसी तरह गौशाला तक व्यवस्था की है। जबकि गौशाला तक पहुंचने के कच्चे रास्ता आज भी कायम हैं। इस गौशाला को बने हुए करीब दो साल हो रहे हैं। 60 गायों को रखने की व्यवस्था है जबकि इधर उधर गांवों से करीब 90 गाय इस समय पहुंच गई है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मल्हीपुर की सड़क टूट कर गड्ढे में तब्दील

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती- श्रावस्ती विकासखंड जमुनहा के अंतर्गत ग्राम पंचायत पटना के विकासखंड मुख्यालय से बीरगंज कस्बा होते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मल्हीपुर व बीरगंज से पटना राजमार्ग तक रोड टूटकर गड्ढे में तब्दील हो गई है और कई जगह पानी भरा हुआ है आने जाने वालों को परेशानियों उठाना पड़ रहा है कीचड़ व जल भराव से लोग परेशान हैं वाहन छोड़कर पैदल चलना भी दुर्लभ है इस संबंध में बीरगंज के निवासी गुड्डू गुप्ता, सुग्रीव गुप्ता ,प्रमोद गुप्ता, अब्दुल हमीद, सुरेश कुमार गुप्ता ,रिखीराम विश्वकर्मा , बड़काऊ गुप्ता, तथा बाजार के वासियो ने श्रावस्ती जिलाधिकारी से सड़क बनवाने की मांग किया है सड़क न बनने के कारण जगह गड्ढे बनकर पानी भर गया है जिसमें लोग गड्ढे को ना जान करके पानी में जाते हैं और गिरकर चोटे भी लग जाती हैं जबकि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तक एंबुलेंस द्वारा गर्भवती महिलाएं भी इस पर जाती हैं और ब्लॉक मुख्यालय होने के नाते काफी अधिकारियों का आना-जाना रहता है लेकिन सड़क बनवाने के लिए नजर अंदाज किए हुए हैं जबकि पी डब्लू डी के कर्मचारी सड़क को कई बार सर्वे करके छोड़ दिया है और काफी दिनों से सड़क टूटी हुई है जिसको नहीं बना रहे हैं सड़क के किनारे नाली न होने के कारण बरसात का पानी सड़कों पर भरा रहता है तथा लोगों ने ब्लॉक मुख्यालय से बीरगंज कस्बा होते हुए संडास स्वास्थ्य केंद्र मल्हीपुर तक चौड़ी करण करके सड़क बनवाने के मांग किया ।

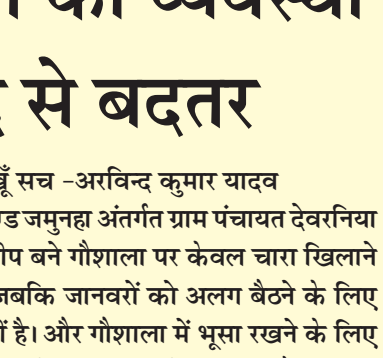

नशीली कफ सिरप के साथ 1 व्यक्ति को थाना प्रतापपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर। डीआईजी एवं एसएसपी सूरजपुर श्री एम.आर.आहिरे (भा.पु.से.) ने अवैध कार्यो में लिप्त लोगों के विरूद्ध सख्ती से निपटने और कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। इसी परिप्रेक्ष्य में दिनांक 28.06.2024 को थाना प्रतापपुर पुलिस को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुआ कि एक व्यक्ति नशीली सिरप लेकर बिक्री के लिए ग्राहक की तलाश में ग्राम चमनपुर की ओर से पैदल शिवपुर होते हुए प्रतापपुर की ओर आ रहा है। सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए ग्राम खजुरी-शिवपुर तिराहा के पास घेराबंदी कर उस व्यक्ति को पकड़ा गया। पूछताछ पर उसने अपना नाम योगेन्द्र गुप्ता पिता कन्हाई साव उम्र 45 वर्ष ग्राम करी चलगली, चौकी रनहत, जिला बलरामपुर का होना बताया जिसके कब्जे से 10 नग ओनरेक्स कफ सिरप जप्त किया गया जिसकी बाजारू कीमत करीब 35 सौ रूपये है। मामले में धारा 21(सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी प्रतापपुर लक्ष्मण सिंह धुर्वे, एएसआई हीरालाल साहू, प्रधान आरक्षक रजनीश त्रिपाठी, मनोज केरकेट्टा, राहुल गुप्ता, आरक्षक अवधेश कुशवाहा, इन्द्रजीत सिंह, राजेश तिवारी, हरिचंद दास, विरेन्द्र कुजूर, भीमेश आर्मो व राजू एक्का सक्रिय रहे।

पिता-पुत्र पर तलवार से प्राण घातक हमला करने के मामले में चौकी लटोरी पुलिस ने 3 को किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- दिनांक 26.06.24 को ग्राम लटोरी निवासी संजय अग्रवाल ने चौकी लटोरी में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 25-26 जून 2024 के दरम्यानी रात्रि में सपरिवार खा पीकर सो गए थे रात्रि करीब 1.15 बजे 2 अज्ञात व्यक्ति घर में चोरी करने के नियत से घुसे तब उनकी आहट व टार्च की रौशनी से इसका नींद खुला तो यह बोला कौन है कहकर उठा तब तक इसके उंपर एक व्यक्ति तलवार से प्राण घातक प्रहार कर दिया जब यह हल्ला किया तो इसके पिता सुभाष अग्रवाल भी उठाकर इसके पास आए तथा इसके उपर प्रहार करने वाले व्यक्ति को डण्डा से मारे तब एक अन्य व्यक्ति इसके पिता पर तलवार से प्रहार कर दिया जिस पर दोनों हल्ला करने लगे तो पास के फौजी ढ़ाबा से कुछ लोग इनके घर तरफ आने लगे तो हमलावर दोनों व्यक्ति वहां से भाग गए।दोनों हमलावर व्यक्ति चेहरे में गमछा बांधे थे जिस कारण उन लोगों को पहचान नहीं पाए। अज्ञात हमलावर का तलवार व एक व्यक्ति का गमछा झूमाझटकी में वहीं छूट गया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 144/24 धारा 307, 394, 450 भादसं. व 25 आर्म्स के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। मामले की सूचना पर उप पुलिस महानिरीक्षक व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री एम.आर.आहिरे (भा.पु.से.) ने एसडीओपी सूरजपुर नंदिनी ठाकुर के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित पर पतासाजी कर जल्द पकड़ने के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो के मार्गदर्शन में पुलिस टीम द्वारा गहनता से आरोपियों की पतासाजी लगी रही।

इसी दौरान मुखबीर की सूचना पर संदेही सुनीता अग्रवाल, जगेश्वर चौधरी व मिथलेश चौधरी को पकड़ा गया। पूछताछ पर सुनीता अग्रवाल ने बताया कि उसके पति का दूसरी महिलाओं के साथ संबंध था जिस कारण उसे ऐसा करने से मना करती थी इसी बात पर दोनों का विवाद होता था इसी बीच जगेश्वर और मिथलेश से इसका परिचय हुआ और पति घर में बहुत पैसा रखे है, घर वालों को मारकर पैसा चोरी कर ले जाना और कुछ हिस्सा मुझे दे देना इसकी योजना बनाई और 25-26 जून की दरम्यिानी रात्रि को मोबाईल से सम्पर्क दोनों को बुलाई और जगेश्वर व मिथलेश के द्वारा इस घटना को अंजाम दिया है। कार्यपालिक दण्डाधिकारी की मौजूदगी में आरोपियों की शिनाख्ती कराने पर प्रार्थी के द्वारा आरोपियों की पहचान किया गया। मामले में आरोपी सुनीता अग्रवाल पति संजय अग्रवाल उम्र 30 वर्ष ग्राम लटोरी, जगेश्वर चौधरी पिता महेन्द्र चौधरी उम्र 30 वर्ष ग्राम द्वारिकानगर व मिथलेश चौधरी पिता विष्णु प्रसाद चौधरी उम्र 33 वर्ष ग्राम बैगापारा लटोरी, चौकी लटोरी को गिरफ्तार किया गया।
इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी लटोरी विराट विशी, प्रधान आरक्षक विशाल मिश्रा, सुशील मिश्रा, पिंगल मिंज, भीखराम भगत, आरक्षक नंदकिशोर राजवाड़े, इस्तयाक अहमद, अम्बिका मरावी, शोभनाथ कुशवाहा, महिला आरक्षक मुनेश्वरी पैंकरा सक्रिय रहे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्था सुधारने की बजाय जवा बीएमओ का बसूली अभियान जारी

क्यूँ न लिखूँ सच -अखिलेश तिवारी

जवा- हम बात करने जा रहे है रीवा जिले के जवा तहसील अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जवा की जो अपने व्यवस्थाओं एवं योग्य डाक्टर के लिए तरस रहा है बताया जाता है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जवा में बीएमओ का पद खाली होने पर कोनी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के डाक्टर ज्ञानेंद्र त्रिपाठी को जवा का बीएमओ बनाया गया है जिनके कार्यप्रणाली पर कई बार आरोप लग चुके है यहा तक बीते वर्षो इनके खिलाफ धरना प्रदर्शन भी किया गया था लेकिन अपनी ऊंची पकड़ के कारण आज भी जवा में पदस्थ है।

बताते चले कि इनके कार्यकाल में पूरे तराई क्षेत्र के जवा मुख्यालय से लेकर गांव गांव में कुकरमुत्तों की तरह बिना डिग्रीधारी झोलाछाप डाक्टर अपने पैर जमाये हुए है जिसमे इनका पूरा संरक्षण प्राप्त है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इनका समय समय पर बसूली अभियान होता है जो अपने खास टीम के साथ निकलते है और कुछ विशेष वर्ग के क्लिनिक संचालकों के ऊपर दबाव बनाते है फिर उनके टीम सदस्यों द्वारा कार्यवाही न करने के एवज में मोटी रकम की डिमांड की जाती है जो अभी 31 मई से पटेहरा होते हुए कई जगहो पर बसूली अभियान चलाया गया। और दबाव बनाकर जबरजस्त बसूली की गयी। जबकि उनके जो ख़ास है वो भी जवा मुख्यालय से लेकर पूरे क्षेत्र में बिना लाइसेंस के क्लिनिक और जांच मशीन और पैथालॉजी चला रहे है पर उनकर कभी कार्यवाही इनके द्वारा नही की जाती है। आपको बता दे कि जवा मुख्यालय और रामबाग में ही कई क्लिनिक ,नर्सिंग होम और प्राइवेट अस्पताल है जिनमे एक डाक्टर होता है जिनके डिग्री का पता नही है वहा पर डिलेवरी से लेकर हर मर्ज का ऑपरेशन भाड़े के डॉक्टरों द्वारा कराया जाता है जो जांच के नाम एवं ऑपरेशन के नाम पर भारी भरकम राशि बसूलते है जिसकी जानकारी जवा बीएमओ को है लेकिन कभी उन अस्पतालों की जांच नही करते न ही कार्यवाही। जिस बजह से उनका कारोबार बहुत ही तेजी से फल फूल रहा है अभी हाल ही में अष्टभुजा अस्पताल पथरौड़ा में एक गर्भवती महिला की जान भी चली गयी थी परंतु उनपर कार्यवाही नही की गई। कार्यवाही क्यो नही हुयी ये तो सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि या तो सेटलमेंट किया गया होगा या सगे संबंधी हो सकते है। जहा पर अक्सर देखा जाता है कि जवा बीएमओ ज्ञानेन्द्र त्रिपाठी हफ्ते में 3 या 4 दिन जवा मुख्यालय में रहते है बाकी समय रीवा में रहते है तो व्यवस्था कैसे अच्छी रह सकती है। वहीं आमजन मानस का कहना है कि जवा बीएमओ ज्ञानेंद्र त्रिपाठी के निष्क्रियता के चलते ज्यादातर मरीज प्राईवेट अस्पताल का सहारा लेते है इससे जवा बीएमओ को फायदा भी है पहली बात तो मरीज को भी नही देखना पड़ेगा और प्राइवेट क्लिनिक वालो से फायदा भी तो मिल रहा है। इन परिस्थितियों को देखते हुए क्षेत्रवासियों ने जवाबीएमओ को अन्यंत्र जगह पदस्थापना कर जवा में योग्य डाक्टर की पदस्थापना कराये जाने की मांग की है ताकि क्षेत्र के गरीब मरीजो को दवा मिल सके।

दोहरे हत्याकांड में उलझी पुलिस संघर्ष हो रहा बयां, पड़ोसी व करीबियों पर शक

फतेहपुर जिले में बकेवर थाने के रूसी गांव के मां-बेटा हत्याकांड में घटनाक्रम के हालात साफ न होने से पुलिस उलझी है। परिवार की किसी से ऐसी रंजिश भी नहीं सामने आ रही, जिसकी वजह से हत्या की जाए। परिवार के आर्थिक हालात भी अच्छे नहीं है, जिससे चोरी व लूट के विरोध में हत्या की जाए। बकेवर थाना क्षेत्र के रूसी गांव में मां-बेटे की शुक्रवार रात हत्या कर दी गई थी। पुलिस अफसरों ने पड़ोसियों से पूछताछ स्पष्ट नहीं हो सकी। पुलिस दर्ज की है।रूसी गांव के अंदर पहले कदम पर ही पर ईंट पड़ी थी। आंगन एक मात्रा में खून फैला था। मिले। घर के अंदर के हत्याकांड को अंजाम देने होंगे।मां और बेटे अपने भागते रहे। कातिल कातिल दोनों को जिंदा पहले दोनों को डंडे से मारा और सिर को ईंट से कूच कयास यह भी लगाए जा कोशिश में भी मां की हत्या की पड़ोसियों से कहासुनी हत्या के बाद मां चश्मदीद पुलिस को आसपास और मोबाइल की लोकेशन भी मोबाइल लोकेशन से हो सकेंगे। परिवार की रंजिश रही है। ई-रिक्शा था सत्यम- आरोप से जमीन का बैनामा भी कराना चाहता था। पक्षों के बीच गाली गलौज धमकी की कई बार पुलिस से शिकायत भी हो चुकी है। सत्यम और उसकी मां का परिवार के अन्य लोगों से भी खास वास्ता नहीं रहता था। सत्यम ई-रिक्शा चलाकर परिवार चलाता था। भाई शिवम ने रवि कश्यप पर हत्या का शक जताया- इन हालातों में पुलिस घटना के पीछे किसी नतीजे तक नहीं पहुंच पा रही है। भाई शिवम ने रवि कश्यप पर हत्या का शक जताया है। उसके नाम पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। पुलिस का कहना है कि रवि गैर जनपद काम करता है। घर में बाइक सवारों के आने की चर्चासत्यम के घर में बाइक सवार दो लोगों के शुक्रवार रात नौ बजे आने की चर्चा उठी है। उनका किसी ने वीडियो भी बनाया था। पुलिस की जांच में बाइक सवारों को क्लीन चिट मिली है। पुलिस के मुताबिक बाइक सवार रात को सत्यम के पास ई रिक्शा बुकिंग को पहुंचे थे। चार साल पहले बेची थी जमीन- सत्यम के दिवंगत पिता रामसहाय परिवार समेत कानपुर के बारा देवी में रहते थे। जूही थाने के सामने मंदिर में पुजारी थे। उनकी जनवरी 2024 में मौत हुई थी। उनकी बीमारी के चलते ही सत्यम ने चार बिस्वा खेत बेचा था। बीमारी में खर्च के बाद बचे रुपये से ई-रिक्शा खरीदकर जीवनयापन करता था। गांव में करीब 10 बिस्वा जमीन परिवार में बची है। पुलिस की नजदीकियों पर नजर- पुलिस ने गांव के कई लोगों से पूछताछ की। इसमें कई सुराग मिले। बताया जा रहा है कि कुछ दूरी पर रहने वाला एक युवक सुबह दरवाजे पर पहुंचा। उसने दरवाजा नहीं खुलने पर पड़ोसियों को बुलाकर अंदर देखने की बात कही। पड़ोसियों के मना करने पर उसने शिवम को सूचना दी। इसके बाद पुलिस आई। वहीं शिवम घटना की जानकारी के बाद भी काफी देर बाद पहुंचा। पुलिस इन सभी तारों को जोड़कर देख रही है। घर में घुसकर मां-बेटे को मारा- बकेवर थाना क्षेत्र के रूसी गांव में मां-बेटे की शुक्रवार रात हत्या कर दी गई। प्रयागराज जोन के आईजी, एसपी समेत अन्य अधिकारी पहुंचे। अफसरों ने पड़ोसियों से पूछताछ की लेकिन घटना की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

सजायाफ्ता अपराधी कप्तान दया याचिका पर बरेली सेंट्रल जेल से रिहा, उठे सवाल

शासन में की गई अपील के आधार पर पिछले वर्ष फरवरी में राज्यपाल की संस्तुति पर खैर के गांव बिसारा के कप्तान सिंह की रिहाई का आदेश जारी हुआ, जिसमें कहा गया कि 16 नवंबर 2022 तक उसने 16 वर्ष 1 माह व 13 दिन अपरिहार व 20 वर्ष 9 माह 28 दिन की सपरिहार सजा भोगी है।अलीगढ़ जिले की टॉप-10 रंजिशों में शामिल खैर के गांव बिसारा की रंजिश के एक गुट के मुख्य अरोपी कप्तान सिंह को दोहरे हत्याकांड में दया याचिका पर रिहा किया गया है। यह दया याचिका राज्यपाल स्तर से पिछले वर्ष स्वीकृत हुई। उसी संबंध में बरेली केंद्रीय कारागार पहुंचे आदेश पर उसे रिहा कर दिया गया। वहीं, इस तरह के अपराधी की रिहाई को लेकर विपक्षी खेमा अदालत की शरण में गया हुआ है। साथ में उसकी रिहाई के बाद खुद के परिवार की जान को खतरा बताया है।शासन में की गई अपील के आधार पर पिछले वर्ष फरवरी में राज्यपाल की संस्तुति पर खैर के गांव बिसारा के कप्तान सिंह की रिहाई का आदेश जारी हुआ, जिसमें कहा गया कि 16 नवंबर 2022 तक उसने 16 वर्ष 1 माह व 13 दिन अपरिहार व 20 वर्ष 9 माह 28 दिन की सपरिहार सजा भोगी है। अगर अन्य किसी मुकदमे में उसका जेल में निरुद्ध रखा जाना वांछित न हो तो उसे रिहा किया जाए। इसी आदेश के क्रम में अब आकर उसे शनिवार को बरेली सेंट्रल जेल से रिहा किया गया है।बता दें कि कप्तान बरेली से पहले नैनी केंद्रीय कारागार में निरुद्ध था। उसके परिवार की ओर से इतनी लंबी सजा काटने पर दया याचिका दायर की गई थी। 29 जून दोपहर उसके रिहा होकर आने की खबर पर गांव व क्षेत्र में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। विपक्षी खेमे ने पहले से दायर कर रखी है अपील- विपक्षी खेमा मौजूदा जिला पंचायत सदस्य परिवार के बंटी व उनकी मां विरमा देवी ने इस मामले में एक अपील राज्यपाल के यहां, दूसरी मुख्यमंत्री व डीजीपी के यहां दाखिल कर रखी है। साथ में एक हाईकोर्ट में अपील कर रखी है। जिसमें कप्तान सिंह के आपराधिक इतिहास का उल्लेख करते हुए रिहाई न करने और खुद की व परिवार की सुरक्षा को खतरा बताया है। इस मामले में दूसरे पक्ष से पैरवी कर रहे बंटी के भाई राहुल ने बताया कि कप्तान के आपराधिक इतिहास व अन्य तथ्यों के आधार पर तीन तीन अपील रिहाई के खिलाफ हाईकोर्ट में हैं। साथ में शासन में शिकायतें हैं। रिहाई से हमारे परिवार को सुरक्षा का खतरा है। ये है कप्तान-बंटी गुट में रंजिश- इस रंजिश की नींव प्रधानी चुनाव को लेकर वर्ष 2000 में शुरू हुई। बंटी पक्ष गांव के एक रिश्तेदार के समर्थन में चुनाव में था, जबकि कप्तान ने खुद चुनाव लड़ा गया। कप्तान के प्रधान बनने के बाद एक जमीन को लेकर रंजिश मुखर हुई। सबसे पहले वर्ष 2003 में कप्तान के भाई मनवीर की हत्या हुई। जिसका आरोप बंटी, उसके पिता जगवीर, भाई संजीव आदि पर लगा। इसके बदले में मुकदमे की पैरोकारी कर रहे बंटी के बड़ा भाई वीरेश उर्फ बबलू व चाचा मुन्ना उर्फ हरवीर की 4 जून 2003 की दोपहर अंडला के पास दिनदहाड़े हत्या की गई। इस हत्याकांड में 30 सितंबर 2008 को कप्तान सिंह, रोहताश सिंह, ओमप्रकाश सिंह, राजेंद्र, टीकाराम सिंह, भूरा सिंह उर्फ नेपाल सिंह को आजीवन कारावास की सजा हुई। तभी से वह जेल में है। हाईकोर्ट ने भी उस सजा को बरकरार रखा। उसी दोहरे हत्याकांड में बंटी का दूसरा भाई संजीव गवाह था। जिसमें जेल में रहने के चलते साजिश में कप्तान को पांच वर्ष की सजा हुई। बाकी को उम्रकैद हुई। कप्तान को कम सजा पर बंटी पक्ष ने हाईकोर्ट में अपील कर रखी है। कप्तान पर 11 मुकदमों का इतिहास- कप्तान पर कुल 11 मुकदमे हैं। जिनमें खैर के मुकदमों के अलावा दो मुकदमे लूट आदि के बुलंदशहर देहात में व एक मुकदमा दिल्ली में भी लूट का है।

नया कानून: महिलाओं-बच्चों से संबंधित अपराधों में सजा और सख्त, महिला पुलिस अफसरों की बढ़ी जिम्मेदारी

पहली जुलाई से तीन नए आपराधिक कानून लागू होने जा रहे हैं। इसके तहत अब महिलाओं-बच्चों से संबंधित अपराधों में सजा और सख्त हुई है। वहीं नए कानून को देखते हुए महिला पुलिस अफसरों की जिम्मेदारी भी बढ़ी है।एक जुलाई से लागू हो रहे नए आपराधिक कानून के तहत महिलाओं और किशोर-किशोरियों से संबंधित अपराधों में सजा में सख्ती की गई है। अब दुष्कर्म और सामूहिक दुष्कर्म जैसे गंभीर अपराधों की जांच की जिम्मेदारी महिला इंस्पेक्टर या सब इंस्पेक्टर को सौंपी जाएगी। पॉक्सो एक्ट के तहत नाबालिग बालक-बालिकाओं से संबंधित अपराध की जांच की जिम्मेदारी भी महिला पुलिस अफसर को ही सौंपी जाएगी।सिविल कोर्ट के अधिवक्ता वरुण प्रताप सिंह प्रिंस ने बताया कि महिलाओं और बच्चों से संबंधित अपराध अब भारतीय न्याय संहिता में धारा 63 से 97 तक हैं। दुष्कर्म में अधिकतम उम्रकैद और न्यूनतम 10 वर्ष की कैद का प्रावधान है। दुष्कर्म पीड़िता की उम्र यदि 16 वर्ष से कम होगी तो कम से कम 20 वर्ष की कठोर कैद या उम्रकैद और जुर्माना से दोषी को दंडित किया जाएगा। दुष्कर्म पीड़िता की उम्र यदि 12 वर्ष से कम होगी तो न्यूनतम 20 वर्ष की कैद, आजीवन कारावास या मृत्युदंड और जुर्माना से दोषी दंडित किया जाएगा। इसी तरह से सामूहिक दुष्कर्म की पीड़िता यदि वयस्क होगी तो दोषी की सजा की अवधि 20 वर्ष से कम नहीं होगी। साथ ही, उम्रकैद का भी प्रावधान है। पीड़िता की उम्र यदि 18 वर्ष से कम होगी तो दोषी को उम्रकैद या मृत्युदंड और जुर्माने से दंडित किया जाएगा। शादी का झांसा देकर दुष्कर्म अब संज्ञेय अपराध-अधिवक्ता वरुण प्रताप सिंह प्रिंस ने कहा कि नए कानून में शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का अपराध अब संज्ञेय अपराध की श्रेणी में कर दिया गया है। इसलिए पुलिस अब बगैर वारंट के ही आरोपी को गिरफ्तार कर सकेगी। हालांकि सजा का प्रावधान पहले की ही भांति 10 वर्ष तक और जुर्माने का है। 60 वर्ष से ज्यादा उम्र तो गिरफ्तारी के लिए डीप्टी एसपी से अनुमति जरूरी- अधिवक्ता वरुण ने बताया कि नए आपराधिक कानून लागू होने के बाद किसी अपराध में बालक को शामिल कराने वाले को तीन से 10 वर्ष तक की सजा का प्रावधान है। छोटी आपराधिक घटनाएं जिनमें तीन वर्ष से कम की कैद का प्रावधान है, उनका आरोपी यदि 60 वर्ष से अधिक उम्र का है या गंभीर रूप से बीमार है तो उसकी गिरफ्तारी के लिए डिप्टी एसपी या उससे सीनियर अफसर की अनुमति लेनी होगी। एक से अधिक बार चोरी करने वाले को पांच वर्ष तक की कैद का प्रावधान किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

सड़क पर मिला बैंक कर्मी का शव, सिर पर लगी थी गोली.. कुछ दूर पड़ा था तमंचा, बैग में भी मिले हथियार

चंदौसी में बैंक उपप्रबंधक का शव मिला है। मौत की वजह सिर पर गोली लगना है। फिलहाल मामला हत्या और आत्महत्या के बीच उलझा हुआ है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजन मौके पर पहुंच चुके हैं। चंदौसी कोतवाली क्षेत्र में आंबेडकर छात्रवास के रास्ते पर देररात प्रथमा बैंक के उपप्रबंधक षडानन (38) का शव पड़ा मिला। मौत की वजह कनपटी पर लगी गोली बताई जा रही है। पुलिस को पास में ही तमंचा मिला है। प्रथमदृष्टया इसे आत्महत्या बताया जा रहा है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।बिहार के जनपद बैशाली क्षेत्र के हाजीपुर निवासी षडानन पुत्र जयप्रकाश बिलारी क्षेत्र के बहोरनपुर नरौली की प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक में उपप्रबंधक थे। साल 2019 से चंदौसी के बैशाली नगर कॉलोनी में मकान बनाकर परिवार के साथ रह रहे थे। पत्नी सरिता ने बताया कि षडानन शनिवार की सुबह बैंक गए थे।इसके बाद वह घर नहीं लौटे। रात 12 बजे करीब उनसे बात हुई तो कहा कि थोड़ी देर में आएंगे। देररात कोतवाली पुलिस को उनका शव बहजोई रोड पर छात्रावास के बराबर वाली सड़क पर पड़ा मिला। उनके कनपटी पर गोली लगी थी। शव के पास ही तमंचा पड़ा मिला। उनके बैग से भी एक तमंचा और छह कारतूस मिले हैं। रात में शव की शिनाख्त नहीं हो पाई। इसके बाद पुलिस ने शव मोर्चरी में भिजवा दिया। सुबह उनके फोन पर कॉल आई, तब शव की शिनाख्त हो पाई। मौके पर फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं। एसपी कुलदीप सिंह गुनावत और एसपी श्रीश्चंद्र भी मौके का मुआयना किया।

20 से 50 हजार प्रति सेमेस्टर शुल्क करने की तैयारी में यूनिवर्सिटी, 14 संकायों में दिए प्रस्ताव

एएमयू में अकादमिक और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए 20 हजार से 50 हजार रुपये प्रति सेमेस्टर शुल्क का प्रस्ताव दिया गया है। अधिष्ठाताओं ने संबंधित विभागाध्यक्षों से शुल्क को लेकर चर्चा की थी। 126 पाठ्यक्रमों में 10 फीसदी स्ववित्तपोषित सीटें होंगी, जिन पर दाखिले उन विद्यार्थियों के होंगे, जिनके नाम प्रतीक्षा सूची में हैं।अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) में 126 पाठ्यक्रमों के स्ववित्तपोषित सीटों के लिए 20 से 50 हजार रुपये प्रति सेमेस्टर शुल्क का प्रस्ताव 14 संकायों के अधिष्ठाताओं ने दिए हैं।विश्वविद्यालय सभागार में हुई बैठक में अधिष्ठाताओं ने अलग-अलग पाठ्यक्रमों के लिए शुल्क का प्रस्ताव रखा। अकादमिक और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए 20 हजार से 50 हजार रुपये प्रति सेमेस्टर शुल्क का प्रस्ताव दिया गया है। अधिष्ठाताओं ने संबंधित विभागाध्यक्षों से शुल्क को लेकर चर्चा की थी। 126 पाठ्यक्रमों में 10 फीसदी स्ववित्तपोषित सीटें होंगी, जिन पर दाखिले उन विद्यार्थियों के होंगे, जिनके नाम प्रतीक्षा सूची में हैं। इस संबंध में जनसंपर्क विभाग के मेंबर इंचार्ज प्रो. आसिम सिद्दीकी ने बताया कि स्ववित्तपोषित सीटों के लिए शुल्क संरचना को लेकर बैठक हुई थी, जिसमें अधिष्ठाताओं ने प्रस्ताव दिए हैं। उन पर अंतिम निर्णय कुलपति लेंगी।बता दें कि 3 फरवरी को प्रवेश समिति की बैठक हुई थी, जिसमें 126 पाठ्यक्रमों में स्ववित्तपोषित कोटे से दाखिले के लिए प्रस्ताव दिया गया था, जिस पर 24 फरवरी 2024 को अकादमिक काउंसिल की बैठक में कुलपति ने सीटों पर मुहर लगा दी थी। 25 जून को हुई बैठक में कुलपति प्रो. नईमा खातून ने 126 स्नातक, परास्नातक व डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए स्ववित्तपोषित सीटों के लिए कितना शुल्क रखा जाए, इसके लिए उन्होंने 14 संकायों के डीन से संबंधित विभागाध्यक्षों से चर्चा कर शुल्क निर्धारित करने की बात कही थी।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

Can breast cancer occur even at the age of 20? Why has the risk increased at a young age, know everything

Breast cancer is the most common type of cancer in women worldwide. Its risk is also seen increasing rapidly in India. If any kind of lump or something unusual is seen in the breast, then consult a doctor about it in time. Health experts say, usually the risk of breast cancer increases in women after menopause, but there is a need to be cautious about its risks from an early age.

All women should keep checking their breasts regularly. If any kind of lump or something unusual is seen in the breast, then be careful. Recently, actress Hina Khan told that she has stage three breast cancer. In such a situation, the question arises whether people of 20-30 years of age can also be at risk of this? What are the reasons that can increase the risk of breast cancer in young people? Let's know about this? Regular checkups are important - The American Cancer Association advises all women to do regular self-checks for cancer and get mammogram screenings. If you think you are too young to get breast cancer, then you need to be careful here. Health experts say that although cases of breast cancer are rare in women in the age group of 20-30, but the way lifestyle and eating habits are changing, its dangers cannot be ignored now. What do experts say? Dr. Liva Andrejeva-Wright, a radiologist and breast imaging specialist at Yale Medicine, says, cases of breast cancer are being diagnosed even in women aged 20 and below. Some types of breast cancer are being seen more in young women. Although breast cancer is usually diagnosed in women after menopause, we need to be cautious about its risks from youth. Dr. Liva says, I have diagnosed breast cancer even in women of 20 years of age. 11% cases under 45 years of age- According to the Centers for Disease Control and Prevention (CDC), about 11% of all breast cancer cases are reported under the age of 45. More than 1,000 women under the age of 40 die of breast cancer every year. If cancer is diagnosed in time, it can be treated and the patient's chances of survival can increase. Dr. Andrejeva-Wright, a radiologist at Yale Medicine, says that you should definitely consult a doctor about the age at which you should start mammograms. If you see any kind of change in the breast, if there is a lump, then tell your doctor. Timely clinical examination and imaging can help detect the risk of cancer. What are the reasons for increasing cancer at a young age? Breast cancer occurs when cells in the breast begin to grow abnormally. This is often due to changes in the DNA in the cells. Although the exact reason why this happens is not clear, researchers believe that conditions such as hormones, environmental factors and genetics may increase its risk. About 5% to 10% of breast cancers are associated with hereditary gene mutations. Apart from this, some habits can also increase its risk. Not being physically active. Obesity or being overweight after menopause. Taking hormone replacement therapy for more than 5 years. Not breastfeeding the child. Problems with alcohol and smoking. Sleeping late at night, which can cause hormonal changes.

Madhuri Dixit has a great collection of black outfits, you should also take a look

Madhuri Dixit, famous as Dhak-Dhak girl in the 90s, was not only the highest paid actress but also used to charge more than many superstars. Every film and every song of hers is a hit. There are many songs of the actress, without which no party or sangeet is complete even today. Now when she is not seen in films, her charm remains intact. Everyone is still desperate to get a glimpse of the actress. People want to know the secret of her fitness. Girls take fashion tips by looking at her looks. Although every outfit suits her, but the Dhak-Dhak girl looks

especially amazing in black outfits. This is the reason why she has a very amazing collection of black outfits. Let us also show you the collection of black outfits of the actress, so that you can also take tips from her looks. Off shoulder dress - If you look at Madhuri Dixit's dresses, you will like her look very much. Madhuri looks amazing in this black off-shoulder dress. The feather on it is adding to the beauty of this look. Saree- Women are crazy about black sarees. This black chiffon saree looks amazing on Madhuri too. There is beautiful work on the border of this saree, due to which its look looks lovely. Gown- This black gown look of Dhak girl can help you to look beautiful too. Although this gown is quite simple, but the design on its shoulder and the slit in the front has made it different from other gowns. With this, the actress has kept her hair open. Plazo-shirt- This type of shirt and palazzo looks great on everyone. Madhuri Dixit has shown her beautiful style by carrying this outfit. If you like the boss lady look, then you can also include this type of outfit in your collection. Co-ord set- Nowadays there is a lot of craze for co-ord set among women. These are not only comfortable to wear, but they also look very classy. This black and golden co-ord set look of Madhuri also looks quite different and classy. In such a situation, if you want, you can wear this in an office party. Lehenga - The blouse of this lehenga of Madhuri is of a very different design. Such a halter neck blouse also looks very nice. With this, Madhuri has worn a lehenga with a lot of flare. If you also want, you can buy such a black colored lehenga for wedding.

If you dream of visiting whole India, know where to start the journey and how much money should be in your pocket

India is a very rich and diverse country, which has various geographical, cultural and historical places. Traveling for India Darshan can give physical and spiritual experience. However, planning and completing the entire visit in India can be a big task, because there are many

varieties of tourist places in many states and cities in the country. There are many ancient and modern places in India. If you dream of visiting whole India, then first of all you have to get information about the expenses incurred during the planning of India Darshan. Here are some suggestions to start India tour. Selection of place - From Kashmir to Kanyakumari there are many religious, ancient, historical, modern and naturally diverse places. You have to decide from which state or region you want to start the journey. You can first visit the tourist places of the nearest cities or states of where you live. This will take less time and may also cost less.Travel planning- Plan which places in a city or state are worth visiting, which of those places do you want to include in your India tour and how much time will it take to visit these places, or in how many days can the tourist places of a city or state be visited.Transportation- Transport is needed for India Darshan. Decide the type of transport to be used based on where you are travelling. You can travel by train to travel long distances within budget. Apart from this, you can take local transport, bus or private taxi for site seeing. You can plan a short tour in your own car to visit nearby cities.Budget- How much you can spend for India Darshan is more important than how much you can spend for India Darshan. Set a budget for your trip and plan the trip according to that budget. Like, according to your budget, you can take a private vehicle or local transport, train or flight. According to the budget, you can book 3,4 and 5 star hotels or home stay and Dharamshala. Control the budget carefully. Plan the expenses of transport, accommodation, and food carefully according to the budget.

Did Hardik make a video call to Natasha after the victory? Fans are making many speculations about the actress

India created history in the final of the T20 World Cup 2024 played at Kensington Oval in Bridgetown, Barbados on Saturday. The Indian team defeated South Africa by 7 runs to win the trophy. The Indian team ended the 11-year ICC trophy drought thanks to its brilliant

performance. By controlling its heartbeat till the last moment, the Indian team pulled victory from the jaws of defeat and won this trophy. All the players of the Indian cricket team looked very emotional after achieving this feat. During this, the video call made by Virat and Hardik from the field itself has attracted a lot of people's attention. All the players of the Indian cricket team looked very emotional after this victory. Meanwhile, Virat Kohli, who was the hero of the match, and the rest of the players were seen in tears. Virat was seen talking on a video call from the field immediately after the victory. He talked to his wife Anushka Sharma and children. During this, he was seen talking to the children in his style. His wife and actress Anushka Sharma also shared a special post and told that their daughter Vamika was also worried after seeing the emotional Indian players. Apart from Virat, Hardik was also seen talking on video call after the victory. A picture is currently going viral, in which the star all-rounder is seen talking to someone on a video call. People are making different speculations about this. Some people have speculated that he was talking to his wife, while some people believe that he was talking to his mother or brother. It is not yet clear who he was talking to, but the speculation of Hardik talking to Natasha on video call is making a lot of headlines. It is worth noting that for some time now the news of everything not being right between Hardik and his wife and actress Natasha Stankovic had spread rapidly. A lot has been written and said in many media reports about the relationship between these two. These rumours gained momentum when Natasha removed Pandya from her surname and removed all the pictures with Hardik from her Instagram account. Since then, news about a rift in their relationship started making headlines. However, till now no clarification has been given by either of them on these matters.

Sunny Deol's superhit style will be seen in Gopichand's upcoming film, the actor will be seen in action avatar

The audience is eagerly waiting for the upcoming film 'SDGM' of successful masala film director Gopichand Malineni. There is excitement all over India about this film of the South film director. Since the announcement of the film, the audience is constantly keeping an eye on every big and small information related to this film. Famous Hindi film actor Sunny Deol is going to be seen in the film. The shooting of this film has also started, which was recently informed by the producers. The market of rumors about the film is quite hot, about which the director also talked in the past. Now another new information has come out about the film. The pairing of the director and actor of this film is quite interesting. Gopichand is a successful director of mass films. At the same time, Sunny Deol is a well-known actor of mass and action films. In such a situation, the audience can get to see a value for money entertaining

film on the screen. As the shooting of the film progresses, new claims are being made about the film. According to a media report, the director is going to present Sunny Deol in a very different and bigger avatar in the film. According to the report, some of Sunny Deol's famous dialogues will be brought alive on screen again in this film. Sunny Deol is one of the first few action actors in Indian cinema. He is among those actors who have increased the acceptance of action films among the audience in India. In the history of Indian films, Amitabh Bachchan was the first to get a strong identity as an action hero, but Sunny Deol was also later liked by the audience as an action hero. Last year, Sunny made a comeback with the film 'Gadar 2'. His same familiar action avatar was seen in this film, which was liked by the audience. Gopichand shows action very well in his films, so it is going to be very interesting for the audience to see Sunny Deol in an action avatar once again in his film. Talking about 'SDGM', Saiyami Kher and Regina Cassandra have been cast as the lead actresses. Tollywood's leading production houses Maithri Movie Makers and People Media Factory are producing this film on a large scale. Thaman S is composing the music for the film. Rishi Punjabi is handling the cinematography and Naveen Nooli is handling the editing. Also, Avinash Kolla is doing the production designing.

Famous TV actors congratulated India on its victory, Ronit called Hardik a hero

India created history in the final of the T20 World Cup 2024 played at Kensington Oval in Bridgetown, Barbados on Saturday. The Indian team defeated South Africa by 7 runs to win the trophy. The Indian team ended the 11-year ICC trophy drought thanks to its brilliant performance. By controlling its heartbeat till the last moment, India pulled victory from the jaws of defeat and won this trophy. Many famous faces of the TV world have expressed their happiness on this great achievement of the Indian cricket team. Rupali Ganguly- Famous TV actress Rupali Ganguly has also expressed happiness on this great achievement of the Indian cricket team and congratulated the team. She shared a picture on her social media account, in which Indian cricket team captain Rohit Sharma and his teammates are seen as champions. Sharing this picture, she wrote, "We did it. What a great victory. Congratulations Team India. Jai Hind Jai Bharat." Rupali is known for the famous comedy show 'Sarabhai vs Sarabhai' and the popular TV drama 'Anupama'. Ali Goni- Famous TV star Ali Goni has also expressed his happiness over the victory of the Indian team. He has shared many pictures of the Indian team on his social media account. Sharing the pictures, he wrote in the caption, "Won." Along with this, he also wrote an emotional message for Indian team's star player Virat Kohli, who has announced his retirement from T20 cricket. The actor wrote, "King Kohli, you will be missed in T20." Ali is known for shows like 'Bigg Boss 14', 'Khatron Ke Khiladi', 'Yeh Hai Mohabbatein' etc. Ronit Roy- Veteran TV actor Ronit Roy has also congratulated the Indian team for this victory. He said, "India's victory has always been emotional for me, but tonight my emotions were at their peak. I shouted, I went silent, I abused, I applauded and then I shed tears when we won. It took us a long time to get all this. Virat scored runs, Bumrah made a comeback and how! Congratulations Team India. Congratulations India! Thank you India T20 2024 team. Apart from this, he called Hardik Pandya a hero and wrote, "Best wishes to Hardik, you are my hero, welcome back. Suryakumar your catch won the match."